



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34]

नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 24, 1974 (भाद्र 2, 1896)

No. 34]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 24, 1974 (BHADRA 2, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के ग्रेड-I स्थायी अधिकारी श्री एम० के० प्रसाद ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 32013/2/73-प्रशासन-I दिनांक 28 मार्च, 1974 द्वारा उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 17 जून, 1974 के अपराह्न से उक्त सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री एन० के० प्रसाद ने 17 जून, 1974 के अपराह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 22 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० एड्डो ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32103/1/74-प्रशा०-I दिनांक 18 मई, 1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था 1 जुलाई, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी० एन० एड्डो ने 1 जुलाई, 1974 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 23 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एम० टी० केसवानी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I दिनांक 16 अप्रैल, 1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 3 जून, 1974 के अपराह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन पर के बाद कुमारी एम० टी० केसवानी ने 3 जून, 1974 से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 25 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० शिमरे ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I दिनांक 28 मई, 1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था

4 जुलाई, 1974 के अपराह्न से सघ लोक सेवा आयोग में अवसर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० शिमेरे ने 4 जुलाई, 1974 के अपराह्न से सघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 27 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा स्तर के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० सत्कर्णिया ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I दिनांक 8 मई, 1974 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 18 जून, 1974 के अपराह्न से अवसर सचिव, सघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० पी० सत्कर्णिया ने 18 जून, 1974 के अपराह्न से सघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एम० आर० भागवत,
अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 जुलाई, 1974

सं० ए० 32014/1/74-प्रशासन-III—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32014/1/73-प्रशा०-III दिनांक 27 मई, 1974 के अनुक्रम में सघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० एल० सूरी को राष्ट्रपति द्वारा 7 जून, 1974 से 28 फरवरी, 1975 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा०-I—मन्त्रिमंडल सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री एन० के प्रसाद को राष्ट्रपति द्वारा 19-6-1974 से 18-12-1974 (दोनों दिनों सहित) तक 6 महीने की अवधि के लिए अथवा किसी नियमित अधिकारी के कार्यग्रहण तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 22 जुलाई 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा स्तर के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एम० टी० बेगमानी को राष्ट्रपति द्वारा, 5-6-1974 से 4-9-1974 तक 3 महीने की अवधि के लिए अथवा किसी नियमित अधिकारी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पहले हो उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 31014/1/74-प्रशासन-I—स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-II) के० स० स्टे० से० संवर्ग

के चयन ग्रेड तथा स० लो० से० आ० में स्थानापन्न आधार पर कार्य कर रहे श्री जी० आर० सप्रा को राष्ट्रपति द्वारा 1 मई, 1972 के पूर्वाह्न में उम्मीद के वर्ग के वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड-I) के ग्रेड में स्थायी आधार पर नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० भागवत,

अवर सचिव,

(प्रशासन प्रभारी)

संघ लोक सेवा आयोग।

गृह मंत्रालय

कार्यालय भारत के महापञ्जीकार

नई दिल्ली-11, दिनांक 26 जुलाई 1974

स० —राष्ट्रपति श्री आर० बी० लाल को जो भारतीय सांख्यिकीय सेवा के अधिकारी हैं, दिनांक 1 जुलाई 1974 के पूर्वाह्न में उप महापञ्जीकार (जन्म मरण) के पद पर विलकुल अस्थायी एवं तत्काल रूप से एक साल की रूप से एक साल को अवधि तक महर्प नियुक्त करते हैं। उनका मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में होगा।

रा० भ० चारी,
भारत के महापञ्जीकार,
एवं पदेन संयुक्त सचिव

महालेखाकार का कार्यालय, केरल

तिरुवेन्द्रम, दिनांक 1974

केरल के महालेखापाल के कार्यालय के स्थानापन्न लेखा अधिकारी श्री के० शिवशंकरन नायर 30 जून 1974 के अपराह्न में अधिवर्ष की अवस्था पाकर सेवानिवृत्त हुए।

महालेखापाल।

महालेखाकार का कार्यालय बिहार

रांची-2, दिनांक 1974

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री अखौरी बिन्ध्याचल प्रसाद स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 30-3-74 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद का महर्प पदोन्नत करने है।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री बिनय कुमार राय स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 8-4-74 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर महर्प पदोन्नत करने है।

महालेखाकार बिहार अपने कार्यालय के श्री अजीत कुमार घोष, स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 24-5-1974 के पूर्वाह्न में अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर महर्प पदोन्नत करने है।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री सम्बर कृष्ण घोष, स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक

27-12-1973 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करने है।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री रवि भूपण प्रसाद, स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 1-10-1974 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करने है।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री प्रभास रजन मेन स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 1-10-1974 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करने है।

महालेखाकार बिहार, अपने कार्यालय के श्री बनमाली चौधरी स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 29-1-1974 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के पद पर सहर्ष पदोन्नत करने है।

बच्चू प्रसाद सिंह,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन),
बिहार।

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक,

नई दिल्ली, दिनांक 18 जुलाई 1974

स० 40011(2)/74-प्रशा०ए०—सिविल सेवा विनियमावली जिल्द-1 के अनुच्छेद 459(I) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दे दिये जाने पर और उसे रक्षा लेखा महा नियंत्रक द्वारा मजूर कर लिए जाने पर

दिनांक 26 जुलाई 1974

स० 40011(2)/74-प्रशासन ए०—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किया जाएगा।

क्रम सं०	नाम रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री/				
1.	के० नागराजन (पी०/89)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना (अपराह्न)
2.	एम० के० मित्रा (पी०/240)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैंकटरीज) पूना (अपराह्न)
3.	शमशेर सिंह (पी०/275)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद (अपराह्न)
4.	आर० वाई० समर्थ (पी०/464)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना (अपराह्न)
5.	सी० सी० बेनर्जी (पी०/645)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-8-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद (अपराह्न)
6.	सी० जी० पाराजपी (ओ०/420)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-9-74	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना (अपराह्न)

रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास के संगठन में सेवारत श्री एम० पी० चन्द्रशेखरन नायर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर स० ओ० 366) को 15 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जाएगा।

2 श्री एम० पी० चन्द्रशेखरन नायर को सेवा निवृत्ति पूर्व 16-8-74 से 14-9-74 तक 30 दिन की अर्जित छुट्टी प्रदान की गई। छुट्टी नोटिस की अवधि के साथ-साथ चलेगी। उसे दिनांक 15-9-74 से 22-9-74 तक 8 दिन की अर्जित छुट्टी भी प्रदान की गई है।

दिनांक 25 जुलाई 1974

स० 40011(2)/74-प्रशा०ए०—केंद्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा निवृत्ति का नोटिस दिये जाने पर और उसे रक्षा लेखा महा नियंत्रक द्वारा मजूर कर लिए जाने पर रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना के संगठन में सेवारत श्री एम० के० गुरुस्वामी, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर स० ओ०/260) को 1 सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जाएगा।

2. श्री एस० के० गुरुस्वामी को उनकी सेवा निवृत्ति से पूर्व 10-6-74 से 6-7-74 तक 27 दिन की अर्जित छुट्टी और 7-7-74 से 31-8-74 तक 56 दिन की अर्द्धवेतन छुट्टी प्रदान की गई है। छुट्टी की अवधि नार्टिंग की अवधि के साथ-साथ चलेगी। उन्हें दिनांक 1-9-74 से 13-9-74 तक 13 दिन की अर्द्धवेतन छुट्टी भी प्रदान की गई है।

एस० के० गुरुस्वामी, स्थानापन्न अपराह्न नियंत्रक

बाणिज्य मन्त्रालय

दिनांक 10 जून 1974

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली

आयात तथा निर्यात व्यापार नियन्त्रण

स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1974

सं० 6/231/54-प्रशा० (जी०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा की प्रवरण कोटि के अधिकारी, श्री एम० आर० मिनोचा को मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 12 जून 1974 के पूर्वाह्न में 3 मास की और अवधि के लिए संयुक्त मुख्य नियन्त्रण, आयात-निर्यात के रूप में पुन-नियुक्त करते हैं।

बी० डी० कुमार

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 26 जुलाई 1974

सं० ई० एम० टी० 1-2 (345)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई के उप-निदेशक (तान टेक्नीकल) श्री श्याम मुन्दर गर्मा ने सेवा से निवृत्त होने पर 1 जुलाई 1974 (पूर्वाह्न) में अपना कार्य-भार त्याग दिया।

संजय कुमार बागची

वस्त्र आयुक्त

औद्योगिक विकास मन्त्रालय

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1974

सं० 19018/138/74-प्रशा० राजपत्रित—अस्थायीवत् अन्वे-पक तथा लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में स्थानापन्न लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री पी० बी० बर्द्धन, को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में तदर्थ आधार पर सहायक-निदेशक (ग्रेड-2) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री बर्द्धन ने 22 अप्रैल 1974 के पूर्वाह्न में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) का पद-भार ग्रहण कर लिया।

सं० ए०-19018/8/73-प्रशासन (राजपत्रित)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली, श्री एम० बी० जोशी सहायक निदेशक (ग्रेड-2) लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद को 12 अप्रैल 1974 के अपराह्न में त्यागपत्र सजूर करते हैं।

श्री जोशी ने 29-9-74 के अपराह्न में लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद का कार्य भार छोड़ दिया तथा वे 27-2-1974 से 12-4-74 तक 45 दिन के अर्जित अवकाश पर चले गए।

सं० 12/632/69-प्रशा० राजपत्रित—भारीशस में प्रति-नियुक्ति हो जाने पर श्री ओ० सी० रिचर्ड्स, सहायक निदेशक (ग्रेड-2) ने 3-5-1974 के अपराह्न में विकास आयुक्त लघु उद्योग के कार्यालय में अपने पद का कार्य भार छोड़ दिया।

दिनांक 22 जून 1974

सं० 19018/123/73-प्रशा० (राज०)—लघु उद्योग सेवा संस्थान बंगलौर, में स्थायीवत् लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री ई० पी० जेकब, को विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, त्रिचुर में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद पर आगामी आदेशों तक के लिए नियुक्त करने हैं। श्री जेकब ने अपने पद का कार्यभार दिनांक 27 मई 1974 के पूर्वाह्न में संभाल लिया।

दिनांक 25 जून 1974

सं० ए० 19061/39/73 प्रशा० (राज०)—लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में स्थायी अधीक्षक श्री टी० नटमन को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान हैदराबाद में सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद पर श्री के० ए० लिंगम (जिन्हें अवकाश स्वीकृत किया गया) के स्थान पर तदर्थ आधार पर दिनांक 22 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न में नियुक्त करने हैं।

के० वा० नारायणन्,
उप-निदेशक (प्रशासन)

पूति और पुनर्वास मन्त्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियन्ता का कार्यालय

पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

जंपुर-764003, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० पी० एफ०/जी०/52—मुख्य वेतन और लेखा अधिकारी का कार्यालय, सभरण विभाग, नई दिल्ली के वेतन और लेखा अधिकारी श्री ए० आर० घोष जो कि पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन में प्रतिनियुक्त पर लेखा अधिकारी थे, उनका दिनांक 25 जून 1974 को निधन हो गया।

श्री प्र० सक्सेना

प्रशासन अधिकारी

वास्ते मुख्य यांत्रिक अभियन्ता

इस्पात और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिनांक 9 अगस्त 1974

सं० ए० 19012(55)/72-म० ए०—श्री एच० आर० शिव स्वामी राव, सहायक प्रशासन अधिकारी, भारतीय खनि विभाग का 19 जुलाई, 1974 के अपराह्न में आगामी आदेश

होने तक उसी विभाग में रु० 840-40-1000-ई० वी० 40-1200/- वेतन-मान में स्थानापन्न रूप में प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है ।

ए० के० राघवाचारी,
प्रवर प्रशासन अधिकारी
कृते नियन्त्रक

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक

1974

सं० 2222(एम० टी०)/19 ए०—श्री मुकुण्डेश्वर तिवारी को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650/- रु० मासिक के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०- 40-1200 रु० के वेतनमान से अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 8-4-1974 के पूर्वाह्न में नियुक्त किया जाता है ।

सं० 40/59/सी०/19 ए०—श्री ए० एन० सेन का सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 29-5-1974 के पूर्वाह्न में नियमित की जाती है ।

श्री सेन का सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति 18-1-1972 में की गई थी ।

सं० 22/66/19 ए०—निम्नोक्त अधिकारियों को भण्डार अधिकारी के पदों पर तदर्थ नियुक्ति भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में, अन्य आदेश होने तक, 27-4-1974 के पूर्वाह्न में नियमित की जाती है —

1. श्री राम स्वरूप
2. श्री डी० मूर चौधरी
3. श्री एस० एन० घोष
4. श्री बी० पी० मेहता
5. श्री ए० के० कुन्डू

उक्त अधिकारियों को भण्डार अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति नीचे दर्शायी तिथि में की गई थी :—

- | | |
|-----------------------|-----------|
| 1. श्री राम स्वरूप | 18-5-1971 |
| 2. श्री डी० मूर चौधरी | 1-7-1972 |
| 3. श्री एस० एन० घोष | 1-7-1972 |
| 4. श्री बी० पी० मेहता | 6-7-1972 |
| 5. श्री ए० के० कुन्डू | 2-8-1972 |

सं० 2222 (जे० के० एन०)/19 ए०—राष्ट्रपति महर्षि श्री जयन्त कुमार तन्दा का भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर 700-40-900-२० रो०-40-1100-50-1300 रु० के परिशोधित वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक 1-6-1974 के पूर्वाह्न में नियुक्त करते हैं ।

भा० निदेशक,
महा निदेशक

भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

कलकत्ता-12, दिनांक 11 जुलाई 1974

सं एफ० 70-2-74-स्थापना —नीचे लिखे वरिष्ठ प्राणि विज्ञान सहायकों को भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग के प्रधान कार्यालय के अन्तर्गत सहायक प्राणि वैज्ञानिक (द्वितीय श्रेणी राज-पत्रित) के पद पर, तदर्थ आधार पर, सम्मुख निर्दिष्ट दिनांक से आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है ।

- | | | |
|------------------------|---------|-----------|
| 1. श्री एस० के० साहा | 29-6-74 | (अपराह्न) |
| 2. श्रीमती मनीषा सेन | 29-6-74 | (अपराह्न) |
| 3. श्री डी० एन० तिवारी | 29-6-74 | (अपराह्न) |
| 4. डा० जी० एन० साहा | 29-6-74 | (अपराह्न) |

डा० एस० खेर
उप-निदेशक-प्रभारी
भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1974

सं० ई०-II(7) —इस विभाग की अधिसूचना सं० ई-II(7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये, अर्थात् :

वर्ग-2 नायट्रेट मिक्सचर के अंतर्गत

- (i) प्रविष्टि "पावरगैट", के बाद में "पी०आर०एम०-12 निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1975 तक" को जोड़ दिया जाये,
- (ii) प्रविष्टि "सुपरडाइन" के बाद में "सुपर-फ्लो निर्धारित मार्क के क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1975 तक को जोड़ दिया जाये,

वर्ग-6 के अन्तर्गत-प्रभाग 3 के अन्तर्गत

- (iii) प्रविष्टि "डिटोनेटिंग रिलेज" के बाद में "डिटोनेटिंग रिलेज टार्वे पी० टी० परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1975 तक" को जोड़ दिया जाये ।

दृग्वज तर्जिम मूर्ति

मुख्य विस्फोटक नियन्त्रक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 16 जुलाई 1974

सं० 9/40/66-स्थापना-2—श्री एस० एम० मेहरा, स्था-नापन्न प्रदर्शनी सहायक को 'क्षेत्र प्रदर्शनी अधिकारी' के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये इस निदेशालय, अहमदाबाद में अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर 1-7-74 से अग्रिम आदेश तक नियुक्त किया जाता है ।

रोशन खान जन
उप-निदेशक, प्रशासन
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 29-17/74-सी० एच० एम०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० बी० सूर्यवंशी को पहली फरवरी, 1974 पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

जी० पचापकेशन
उप निदेशक प्रशासन

कृषि मन्त्रालय**(कृषि विभाग)****विपणन और निरीक्षण निदेशालय****(प्रधान शाखा कार्यालय)**

नागपुर, दिनांक 7 जुलाई 1974

सं० एफ० 2/8/74-वि० (ना०) II —भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), विदेश व्यापार मंत्रालय, वाणिज्य मंत्रालय की सं० 125, 126, 127 दिनांक 15-9-62, सं० 1131, 1132 दिनांक 7-8-65, सं० 2907 दिनांक 5-3-71, सं० 3601-क, 3601-ख, 3601-ग, दिनांक 1-10-71, सं० 3099, दिनांक 3-11-73, सं० 1133, 1134, 1135, दिनांक 7-8-65, तथा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के लिये मैं एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को काली मिर्च, मिर्च, इलायची, मोठ, हल्दी, धनिया, मोंफ, मेथी, गेलरी बीज, जीरा, प्याज, लहसून तथा दालों के लिये जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का I) के खंड 3 के अधीन निर्मित तथा समय-समय पर यथा संशोधित उक्त पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

नाम	पदनाम
श्री सी० पी० गोपीनाथन नायर	सहायक विपणन अधिकारी
श्री पी० बाबू शिन्डे	सहायक विपणन अधिकारी

सं० 2/8/74-वि० (ना०) II —भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 1133, 1131, 1135 दिनांक 7 अगस्त 1965 के लिये मैं एतद् द्वारा श्री के० सुब्रमन्यम, सहायक विपणन अधिकारी को प्याज, लहसून तथा दालों के लिये जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का I) के खंड 3 के अधीन निर्मित तथा समय-समय पर यथा संशोधित उक्त पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं

के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

सं० एफ० 2/8/74-वि० (ना०) II —भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), विदेश व्यापार मंत्रालय तथा वाणिज्य मंत्रालय के सं० 125, 126, 127 दिनांक 15-9-62, सं० 1131, 1132, दिनांक 7-8-1965, सं० 2907, दिनांक 5-3-1971, सं० 3601-क, 3601-ख, 3601-ग, दिनांक 1-10-71, सं० 3099, दिनांक 3-11-1973, तथा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचनाओं के लिये मैं एतद् द्वारा श्री एम० बी० एम० शर्मा, विपणन अधिकारी को काली मिर्च, मिर्च, इलायची, मोठ हल्दी, धनिया, मोंफ, मेथी, गेलरी बीज तथा जीरा के लिये, जिनका श्रेणीकरण, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का I) के खंड 3 के अधीन निर्मित तथा समय-समय पर यथा संशोधित उक्त पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी के लिए अधिकृत करता हूँ।

सं० एफ० 2/8/74-वि० (ना०) II —भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की सं० 125, 126, 127 दिनांक 15-9-62, सं० 1131, 1132 दिनांक 7-8-65 तथा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के लिये मैं एतद्द्वारा श्री एम० पी० जार्ज, सहायक विपणन अधिकारी को काली मिर्च, मिर्च, इलायची, मोठ तथा हल्दी के लिये जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का I) के खंड 3 के अधीन निर्मित तथा समय-समय पर यथा संशोधित इन पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

सं० एफ० 2/8/74-वि० (ना०) II —भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के सं० 212, दिनांक 9-6-1945, सं० 1 के प दिनांक 5-1-1946, सं० 6, दिनांक 5-2-49, सं० 64, दिनांक 17-6-61, सं० 48, दिनांक 24-5-1954, सं० 173 दिनांक 29-12-54, तथा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के लिये मैं एतद्द्वारा श्री बी० पी० सिंह, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से तम्बाकू, ऊत तथा दृढ़लोम के संबंध में जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम 1937 (1937 का I) के खंड 3 के अधीन निर्मित तथा समय-समय पर यथा संशोधित उक्त पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नन नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करता हूँ।

सं० एफ० 2/8/74-वि० (ना०) II —भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सं० 125, 126, 127, दि० 15-9-1962 सं० 1131, 1132 दि० 7-8-1965 तथा भारत के राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के लिये मैं एतद्द्वारा श्री के० एम० बालकृष्णनप्रवर निरीक्षक को काली मिर्च, मिर्च, इलायची, मोठ

तथा हन्दी के लिये जिनका श्रेणीकरण कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नित) अधिनियम 1937 (1937 का I) के खंड 3 के अधीन निमित्त तथा समग समय पर यथा संशोधित इन पण्यों के श्रेणीकरण और चिह्नित नियमों के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका नियति उपरोक्त अधिनियम के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिये अधिकृत करना है।

नागपुर, दिनांक

1974

सं० एफ० 2/8/74-वि० (ना०) II—भारत के राजपत्र भाग III खण्ड 1 दिनांक 21-7-1973 के पृष्ठ 1840 और 1841 में प्रकाशित अधिसूचना सं० एफ० 2/8/70-वि० (ना०) II के आंशिक रूपान्तरण में श्री ए० पी० गोपीनाथन कर्मा, प्रवर निरीक्षक का नाम उक्त अधिसूचना में जहां कहीं भी आया हो, रद्द समझा जाय।

सं० एफ० 2/8/70-वि० (ना०) II—सं० 3 (टी० एल०) 2/65 वि० II, सं० एफ० 5/11/69 वि० II—तथा भारत के राजपत्र भाग III खण्ड 1 दिनांक 21-7-1973 के पृष्ठ 1840, 1841 तथा 1843 में प्रकाशित अधिसूचना के आंशिक रूपान्तरण में श्री सी० एन० आनन्दकृष्णन प्रवर निरीक्षक का नाम उक्त अधिसूचना में जहां कहीं भी आया हो, रद्द समझा जाय।

एन० के० मुरालाधरा राव,
कृषि विभागन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 27 जून, 1974

सं० पी० ए०/81(51)/74-आर० 4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, यहां के श्री तान ज्योति भेन, परवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (बी०) को इसी अनुसन्धान केन्द्र में 1 फरवरी, 1974 के पूर्वार्द्ध में आगामी आदेश तक के लिये स्थानापत्र रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 जून, 1974

सं० पी० ए०/81(51)/74-आर० 4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, यहां के श्री राबोन्द्र ताथ सन गुप्ता, परवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना के अस्थायी वैज्ञानिक सहायक (सी०) को इसी अनुसन्धान केन्द्र में 1 फरवरी, 1974 के पूर्वार्द्ध में आगामी आदेश तक के लिये स्थानापत्र रूप में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन,
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 23 जुलाई, 1974

सं० 5/1/74-स्थापना-5/505—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, इसके द्वारा श्री गेन डी, सी० एल० सहायक को इस अनुसन्धान केन्द्र में 2-5-1974 से 24-6-1974 तक के लिये अस्थायी रूप से स्थानापत्र सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/74-स्थापना-5—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, इसके द्वारा श्री रामानुजाचारी देसिकाचारी, आणुलिपिक (वरिष्ठ) को इस अनुसन्धान केन्द्र में 7-5-74 से 21-6-74 तक के लिये अस्थायी रूप से स्थानापत्र सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० शांताकुमार मेनन,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 17 जून, 1974

सं० ए० एम० डी०-2/786/59-प्रशामन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के एक स्थायी सहायक एवं स्थानापत्र लेखामाल श्री आर० सी० मूद को 22 मई, 1974 के पूर्वार्द्ध से लेकर आगामी आदेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ए० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशामन एवं लेखा अधिकारी,
कृते निदेशक

(भारी पानी परियोजनाएं)

बम्बई-400008, दिनांक 26 जुलाई, 1974

सं० 05000/पी०/92/5131—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष-कार्य अधिकारी, श्री ज्योति प्रसाद दुर्लभ भाई को भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में जून 29, 1974 के पूर्वार्द्ध से आगे आदेश होने तक, अस्थायी रूप से श्रम-रतन-कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पर्यटन और नागर विमानन विभाग

भारत मौसम विज्ञान विभाग

सं० ई० (1) 04148—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, त्रिवेन्द्रम के श्री ई० सी० चाको, व्यवसायिक सहायक को 1 मई, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री ई० सी० चाको, स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के अधीन मौसम केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04234—वेधशालाओं के महानिदेशक एतद्-द्वारा निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के श्री एम० बालकृष्णन्, व्यवसायिक सहायक को 15 मई, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री एम० बालकृष्णन्, स्थानापन्न मौसम विशेषज्ञ निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

नूतन दाम,
मौसम विशेषज्ञ,
छत्ते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 25 जुलाई, 1974

सं० 1/167/74-स्था०—मुख्य कार्यालय, बम्बई के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री बी० ए० फर्नाण्डेज को पहली जुलाई, 1974 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक मद्रास शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 27 जुलाई, 1974

सं० 1/321/74-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा कलकत्ता शाखा के सहायक पर्यवेक्षक, श्री एन० के० दास को एक अल्पकालिक रिक्त स्थान के विपरीत 6-5-1974 से लेकर 8-6-1974 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से पर्यवेक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एम० एम० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी,
छत्ते महानिदेशक।

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय बिल्लो

दिनांक

सं० 57—इस समाहर्ता कार्यालय के श्री बी० एन० शर्मा, कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क को, रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-830-40-1040-

द० रो०-1200 के वेतनामन में, प्रशासनिक अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने श्री जे० सी० मलिक, प्रशासनिक अधिकारी से जिनका स्थानान्तरण केन्द्रीय उत्पादन शुल्क छिवीजन, जोधपुर किया गया है, दिनांक 12-6-74 के अपराह्न में प्रशासनिक अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, एम० ओ० जी०-11, नई दिल्ली के पद का कार्यभार ल लिया।

एम० एम० मेहता,
समाहर्ता

समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

मध्य प्रदेश एवं विदर्भ

दिनांक

1974

सं० 7/74—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के निम्नलिखित स्थायी निरीक्षकों (प्र० श्रे०) ने स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (श्रेणी II) के पद पर नियुक्त होने पर नीचे लिखे अनुसार अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (श्रेणी II) का पदभार संभाल लिया।

क्रम अधिकारी का नाम सं०	प्रतिस्थापना का स्थान	पदभार संभालने की तिथि
1. श्री आर० सी० पी० भाटे	अधीक्षक (निवारक) कें० उ० शु० ए० प्र० उज्जैन	24-5-74 (पूर्वाह्न)
2. श्री बी० पी० रेखाडे	अधीक्षक (प्रावि० 1) कें० उ० शु० ए० प्र०, जबलपुर	10-6-74 (पूर्वाह्न)

सं० 8/74—नागपुर समाहर्ता क्षेत्र के श्री बी० के० रणदिवे, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (श्रेणी II) को दिनांक 6-6-1974 से शामकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

आर० एन० शुक्ला,
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता, इलाहाबाद

इलाहाबाद, दिनांक: 9 जुलाई 1974

सं० 81/1974—श्री पी० बी० प्रधान, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी II को, जो समेकित मंडल कार्यालय सीतापुर के अन्तर्गत शाहजहांपुर में तैनात है, दिनांक 7-8-1973 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतनमान में रु० 810/- के वेतनस्तर पर दक्षतराधि पार करने को अनुमति दी जाती है।

एच० बी० दाम,
समाहर्ता।

सीमाशुल्क सिम्बन्धी

कलकत्ता-1 दिनांक 1974

सं० 16/73—कस्टम हाउस कलकत्ता के कार्यालय अधीक्षक, श्री के० एल० बनर्जी की पदोन्नति 16-4-73 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस कलकत्ता के स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के रूप में की गई है।

सं० 17/73—कस्टम हाउस कलकत्ता के कार्यालय अधीक्षक, मोहम्मद अनवर अली की पदोन्नति 16-4-73 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस कलकत्ता के स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के रूप में की गई है।

सं० 18/73—कस्टम हाउस कलकत्ता के कार्यालय अधीक्षक, श्री डी० के० आचार्य की पदोन्नति 19-4-73 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस कलकत्ता के स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी के रूप में की गई है।

सं० 19/73—कस्टम हाउस कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड I, श्री एच० सी० दाम की पदोन्नति दिनांक 31-8-73 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 20/73—कस्टम हाउस कलकत्ता के निवारक अधिकारी ग्रेड I, श्री एल० आर० दत्त की पदोन्नति दिनांक 31-8-73 (पूर्वाह्न) से कलकत्ता कस्टम हाउस के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 21/73—कलकत्ता कस्टम हाउस के ग्रेड I निवारक अधिकारी श्री डी० के० चक्रवर्ती की पदोन्नति दिनांक 31-8-73 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 22/73—कलकत्ता कस्टम हाउस के ग्रेड I निवारक अधिकारी मुहम्मद आहसान की पदोन्नति दिनांक 31-8-73 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 23/73—कस्टम हाउस कलकत्ता के ग्रेड I निवारक अधिकारी श्री एल० ए० ब्राउन की पदोन्नति दिनांक 17-9-73 (पूर्वाह्न) से कस्टम हाउस कलकत्ता के स्थानापन्न निवारक निरीक्षक के रूप में की गई है।

सं० 24/73—कस्टम हाउस कलकत्ता के प्रशासन अधिकारी मुहम्मद अनवर अली दिनांक 30-4-73 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए हैं।

देवकी नन्दन लाल,
सीमा शुल्क समाहर्ता

इमंटेगरल कोष फौजदरी

मद्रास-38, दिनांक 26 जुलाई 1974

सं० पी० बी०/जी०जी०/9/मिम/-II—श्री आर० एम० चारी, स्थानापन्न उप मुख्य कामिक अधिकारी के निवृत्ति

2-206GI/74

तारीख के संबंध में इस कार्यालय के समसंख्यक पृष्ठांकित दिनांकित 20-6-74 के क्रम संख्या एक में सूचना भेजी गई तारीख 20-4-74 के बदले 30-4-74 के रूप में संशोधित कर ले।

श्री आर० राजगोपालन, स्थानापन्न सहायक इंजीनियर/निर्माण II (श्रेणी II) को दिनांक 30-6-74 के आराह्न में श्रेणी III सेवा को रिवर्ट किया गया है।

एम० सुब्रामानियन,
सहायक मुख्य प्रशासन अधिकारी
कुले जनरल मैनेजर

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पाण्डू, दिनांक 24 जुलाई 1974

सं० ई०/55/III/94-पी० III (प्रो०)—श्री ए० पी० मल्लिक को द्वितीय श्रेणी की सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर दिनांक 11-11-71 में स्थायी किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी,
महाप्रबन्धक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

बैंगलूर, दिनांक 24 जुलाई 1974

सं० 1325/डिस०/73—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पञ्चशीला पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त विघटित हो गई है।

दिनांक 24 जुलाई 1974

सं० 1828/डिस०/73—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विलामिनी ट्रेडिंग एण्ड चिट फ़ैक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

दिनांक 24 जुलाई 1974

सं० 1826/डिस०/74—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि विन्दुराज ट्रेडिंग एण्ड चिट फ़ैक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० के० धार,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कनॉटक, बैंगलूर

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 9 जून, 1974

निदेश सं० ए०एम०आर०/बी०एल०टी०/ए०पी०-996/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4221 नवम्बर, 1973 लिखा है जो फैजपुर (बटाला) में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स सनलाईट फाऊंडरी, मार्फत श्री वंशना दाम अग्रवाल पुत्र देस राज अग्रवाल वासी बटाला और शेयर होल्डर फर्म।

श्री इंदरजीत पुत्र श्री तारा चंद पुत्र श्री लाल चंद वासी बटाला)

श्रीमती विमला रानी पत्नी श्री चरन दाम (अन्तरक)

श्रीमती आशा रानी पत्नी श्री मंगल दास पुत्र श्री लाल चंद वासी बटाला, मार्फत न्यू तारमल फाऊंडरी जी० टी० रोड, बटाला। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4221 नवम्बर 1973 को, फैजपुर (बटाला) में स्थित है।

डी०एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 9 जून, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज चार, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई, 1974

निदेश सं० एपी० 175/आईएसी-एआर-IV/74-75—यतः मुझे ग० सी० राव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज चार, बम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० नं० 2 एच० नं० 5

S. No. 5, H. No. —, S. No. 6, H. No. 1 (pt), S. No. 6, H. No. 3, & S. Nos. 11, 12, 13, 13- H. Nos. 7, & S. No. 14.

है जो मरोल में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्रीमती जी० एम० गोतम्लोवर मेरोव्य साहर, बम्बई-400057। (अन्तरक)

2. श्रीमती निना पोपटलाल कपाडिया 219, फिरोज-शाह महेला रोड, बिले पारले बम्बई-400057।

वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि माप में 20. 23-3/4 एकड़ जिसका सर्वेक्षण नं० 2, हिस्सा नं० 5, सं० नं० 5, सं० 6 हिस्सा नं० 1 (Pt) और 3 सं० 11, 12, 13 और 14 और सं० नं० 13 हिस्सा नं० 7 गांवः मरोल—अन्धेरी बम्बई में स्थित है।

ग० सी० राव,

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रोज चार, बम्बई

तारीख : 31-7-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

दिनांक 30 मई 1974

निदेश सं० एसआर/मोगा/एपी-1044/74-75—यतः
मुझे, डी० एस० गुप्ता प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी मोगा नवम्बर 1973 लिखा है जो गांव छोटीयां
कलां त० मोगा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत प्रायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, प्रायकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित आस्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रीतमोहन कौर पत्नी श्री दया सिंह वासी
ढिलवाकलां त० और जिला फरीदकोट। (अन्तर्क)

(2) श्री जीवन सिंह पुत्र म० हाकम सिंह पुत्र स० हरनाम
सिंह अमृतसरिया वासी गांव छोटीयां कलां त० मोगा।

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है,
आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो प्रायकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मोगा नवम्बर महीना 1973 में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख :

माहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

दिनांक 26 जुलाई 1974

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/74-75/1865—प्रतः
मुझे, डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० यू-13ए है, जो ग्रीन पार्क एक्मटेशन, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-4-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम नारायण पुत्र श्री हकीम राय निवासी कोटला
मुबारकपुर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्रीमती मखमली पत्नी श्री पी० एस० जैन निवासी
2218 गली अनुमान प्रसाद, मस्जिद खजूर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट संख्या यू-13ए जिसका क्षेत्रफल 209. 1/2
वर्ग गज है तथा जो कि ग्रीन पार्क एक्मटेशन, नई दिल्ली में गांव
युमुफ सराय जाट महरीली रोड पर निम्न प्रकार स्थित है :—

उत्तर : प्लॉट संख्या यू-13

दक्षिण : सर्विस लैन

पूर्व : प्लॉट नं० यू-14

पश्चिम : सड़क

डी० बी० लाय,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, 1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 26-7-74

साह्वर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26-7-1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/74-75/1865—
यतः, मुझे डी० बी० लाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और ज़िम्मेकी सं० यू०-13 है, जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. राम नारायण सुपुत्र श्री हकीम गय
निवासी के-5 कोटला मुबारकपुर,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. आदिश्वर कुमार जैन सुपुत्र श्री पी० एस जैन,
निवासी 2218 गली हनुमान
प्रसाद मस्जिद खजूर, दिल्ली। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट संख्या यू०-13 जिसका क्षेत्रफल 290.1/2 वर्ग गज है तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन नई दिल्ली में गांव यूसुफ सराय आठ मैहरोली रोड पर निम्न प्रकार स्थित है :—

उत्तर :—सड़क

पूर्व :—प्लॉट संख्या यू०-14

दक्षिण :—प्लॉट संख्या यू०-13ए०

पश्चिम :—सड़क

डी० बी० लाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली-1

तारीख 20-7-74

मोडर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली का कार्यालय

नई दिल्ली-1 दिनांक 26 जुलाई 1974

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/1/74-75/1865—
यतः, मुझे डी० बी० लाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सभ्य प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम०-20 है, जो माऊथ एक्स्प्लेन पार्ट-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इस से उपायय अनुसूची में पूर्ण रूप वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-4-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) रत्न कृष्ण सुखानी (50 प्रतिशत हिस्सा)
(2) श्री रत्न कृष्ण सुखानी (50 हिस्सा) (संयुक्त हिन्दू परिवार)
निवासी गली बाबली बाली,
डा० सिग्मा हिमाल, (हरियाणा) (अन्तरक)
- श्रीमती भूपिन्दर जीन कौर पत्नी जगजीत सिंह
लाम्बा, निवासी डी०-84,
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्रीहोल्ड प्लॉट संख्या एम-20 जो कि माऊथ एक्स्प्लेन, भाग-2 नई दिल्ली में निम्न प्रकार स्थित है :—

उत्तर : मक्सि लैन

दक्षिण : मड़क

पूर्व : कालोनी को चार दिवारों का हिस्सा

पश्चिम : मकान संख्या एम०-19ए

(डी० बी० लाल)

महाम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली-1

तारीख : 26-7-74

मोहर :

प्ररूप आर्द्र० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 3 अगस्त, 1974

निर्देश सं० आय० ए० सी./ए०सी० वय०/31/74-75—
यतः मुझे, एम० एस० राय आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1191 (पुराना 2046) लकड़मन्डी सेलू तालुका पाथ्रि जिला परभणी है, जो सेलू में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सेलू में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री विरेंद्र कुमार पिता ठाकुर ब्रमरामिह
नामयेंग हॉटल दिल्लीवाला पो०
नीजामाबाद, झांझ प्रदेण (अन्तरक)
2. श्रीमती मरवण बाई रामस्वरूप गुप्ता
पो० सेलू जी० परभणी (महाराष्ट्र)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद-द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसमें ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 1191 (पुराना सं० 2046) जो लकड़मन्डी पो० सेलू ला० पाथ्रि जिला परभणी (महाराष्ट्र) में स्थित है।

एम० एस० राय,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर।

तारीख : 3-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जुलाई 1974

निर्देश सं० 257/एक्रे III/74-75/बांकुड़ा—यन, मुझे एल० के० बालसुब्रमनियन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है, जो मोजा-जानबेदा, थाना-बांकुड़ा, जिला-बांकुड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साबरेजिस्ट्रार, बांकुड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरालीधर घटक, 2. श्रीमती कमला घटक, स्वामी (मृत) बंगीधन घटक
2. श्री उमाशंकर घटक 4. श्री किरन शंकर घटक, 5. श्री अन्नदा

3—206 GI/74

शंकर घटक 6. गौरी शंकर घटक, 7. भवानी शंकर घटक, 8. नाबालक मिद्धार्थशंकर घटक और 9. नाबालिका सुनीताघटक और 10. नाबालिका रमा घटक—माता कमला घटक, अभिभावक, 11. श्री कृष्ण भट्टाचार्य 12. श्रीमती मरस्वती घटक स्वामी श्री मुरालीधर घटक ग्राम पातपुर, थाना और जिला—बांकुड़ा।

अन्तीतरि

श्री प्रन्हाद चन्द्र घोष और श्री ध्रुव-लोचन घोष, ग्राम भाङ्ग्या, पो० आ० और जिला—बांकुड़ा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 15.86 एकर जमीन जो मोजा जानबेदा, थाना और जिला-बांकुड़ा पर अब स्थित है और साब-रजिस्ट्रार बांकुड़ा द्वारा दलिल सं० 11350 और 11351/1973 से रजिस्ट्री हुआ।

एल० के० बालसुब्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख : 10-7-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 जुलाई 1974

निर्देश सं० 164/एकुरे III/74-75/हावड़ा—यतः, मुझे एल० के० बालमुन्नमनियन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 4 और 5 है, जो चावा धोबापारा लेन, थाना-शिबपुर, जिला-हावड़ा में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकांश के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एस्टेरेन्सेस में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 1908 का 16 के अधीन 23-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-घ के अन्वय में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्तों—

1. श्रीमती शांती देवी बनशल और श्रीमती मांजिरी देवी बनशल 50 बि० मुक़ाराम बाबु स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पदेवी बनशल 50 बि० मुक़ाराम बाबु स्ट्रीट, कलकत्ता। (अन्तरिती)

मैसर्स आगरवाल आयरन ट्रेड को 19 महर्षि देवेन्द्र रोड, कलकत्ता। (वह व्यक्ति जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की मुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 बीघा 3 दंडा 8 छटाक; जमीन और तालाब साटा उम पर अब स्थित एकतल्ला मकान का 5/8 भाग जो 4 और 5 नं० जावा धोबा पारा लेन थाना शिपुर जिला हावड़ा पर अब स्थित है और जो दलील सं० 6815/1974 द्वारा रजिस्ट्रार आफ एस्टेरेन्सेस, कलकत्ता से रजिस्ट्री हुआ।

एन० के० बालमुन्नमनियन,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, कलकत्ता।

तारीख : 20-7-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 1 अगस्त 1974

निदेश सं० एन० सी० 18/74-75—यतः मुझे के० राजगोपालन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, एरणाकुलम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिमकी सं० 3588 और 3588/50 माडुतुविलाकम विल्लेज, वन्चियूर फिरका, कौडियार, निम्ननन्तपुरम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, निम्ननन्तपुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जे० राजमोहन, के० जनार्दनन फिल्ड, 'वसन्त विहार' कोन्चुपिलामूडू, कोल्लम, में प्रतिनिधित्व (अन्तरिती)

2. मेमर्स० राजमोहन काप्पूख (प्रा०) नि०, पोस्ट बैग सं० 170, इरविपुरम, वडक्कविला पी० ओ०, कोल्लम (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिमने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नन्पुरम जि० का माडुतुविलाकम विल्लेज, वन्चियूर फिरका (कौडियार में) सं० सं० 3588 और 3588/50 के अन्तर्गत भूमि तथा मकान-क्षेत्रफल 27,5 सेन्ट्स ।

के० राजगोपालन
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 1-8-1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त का कार्यालय (निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 अगस्त 1974

निदेश सं० टी० आर० 1349/सी०-278/कलकत्ता-1/
73-74—यतः मझे एम०के० चक्रवर्ती आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 10, है, जो कॉमक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है
और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्टर आफ एसुरेंस, कलकत्ता में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
16-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
या छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पद्मावती रेंज काटन मिल्स लिमिटेड (अन्तरक)
पीलानी इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (अन्तरिती)
वह व्यक्ति/ जिसके अधिभोग से सम्पत्ति है।

1. ग्वालियर, रेयन सिन्क मनुफैक्चरिंग (बीविंग) कं०
लिमिटेड।

2. पीलानी इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन लिमिटेड।

3. सेन्चुरी स्पीनिंग एण्ड मनुफैक्चरिंग कं० लिमिटेड। ₹

4. जियाजी राव काटन मिल्स लिमिटेड।

5. इन्डिया लिनोलियमस लिमिटेड।

6. बिरला काटन स्पीनिंग एण्ड बीविंग मिल्स लिमिटेड।

7. न्यू स्वदेशी सुगर मिल्स लिमिटेड।

8. भारत सुगर मिल्स लिमिटेड।

9. गोविन्द सुगर मिल्स लिमिटेड।

10. न्यू इन्डिया सुगर मिल्स लिमिटेड।

11. ओध सुगर मिल्स लिमिटेड।

12. अपर गंगेज सुगर मिल्स लिमिटेड।

13. हिन्दुस्तान अल्यूमिनियम कारपोरेशन लिमिटेड।

14. इलेक्ट्रिक कन्सट्रक्शन एण्ड एक्विपमेंट कं० लिमिटेड।

15. केसोराम इन्डस्ट्रीज एण्ड काटन मिल्स लिमिटेड।

16. बिरला जूट मनुफैक्चरिंग कं० लिमिटेड।

18. जय श्री टी० एण्ड इन्डस्ट्रीज लिमिटेड।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक संयुक्त जमीन जिसका क्षेत्रफल 1 कठ्ठा 15 धुर है और
चौहद्दी 41 फीट है, जो ब्लॉक नं० 19 तथा हॉर्लिङ नं० 60 के अंत-
र्गत नं० 10 कॉमक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है।

एम० के० चक्रवर्ती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 1-8-74

मोहर :

अर्जन रेंज
पी०-113 चौरंगी स्वायत्त, कलकत्ता-1.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 अगस्त 1974

निदेश सं० एस० आर०/उज्जैन/30-11-73—अतः—मुझे,
एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० दो मंजिल मकान नं० 103 (पुराना) नं० 3912 गोपाल मंदिर मार्ग उज्जैन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-11-73

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शांतिलाल आत्मज श्री धनलाल जैन मोह० धकनीपुरा जिवाजीगंज उज्जैन (अन्तरक)

2. श्री महेंद्र कुमार (नं० बा०) मकान नं० 103 कंठाल मोह० गोपाल मंदिर मार्ग, उज्जैन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 103 (पुराना नं० 3912) गोपाल मंदिर मार्ग, उज्जैन।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज भोपाल का कार्यालय

भोपाल, दिनांक 1 अगस्त 1974

निर्देश सं० सब रजि/जबक/8/11/73-अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० न० 795 में 795/5 ब्लाक न० 91 प्लॉट न० 130/2 जबलपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-11-1973 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्री टीकमदास आत्मज शमटमल सिधी निवासी गजमोद-गांव द्वारा श्री शामन दाम आत्मज देवराम निवासी जबलपुर।
(अन्तरक)

2. श्री काशी प्र० आत्मज छोटे लाल सोनकर निवासी ओमतीवार्ड मदाताल, जबलपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नगर निगम नम्बरी 795 से 795/5 तक ब्लाक न० 91, प्लॉट न० 130/2 जोक पुर्गना वार्ड ओमती नया वार्ड, गहाताल शहर, जबलपुर ।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-8-1974

मोहर :

प्रकाशित आर्. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/ / ए० पी०-925/74-75—

यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3933 नवम्बर 1973 जिला है जो बताला में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बताला में भारतीय रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इकवाल चंद पुत्र श्री खुशहाल चंद बाऊली इन्दजीत सिंह, बताला (अन्तरक)

(2) श्रीमती राम प्यारी पत्नी श्री गुरु दत्त खुल्लर सुपमा खुल्लर पत्नी श्री वीरेन्द्रा और श्री सुदर्शन डोगरा मार्फत मेमर्ज जी० डी० ट्रेडरज जी० टी० रोड, बताला। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितधर है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधर किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2933 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बताला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि अमृतसर।)

तारीख . 28 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/ए पी०-928/74-75—
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6978 नवम्बर 1973 लिखा है, जो गांव धनोवाली त० जालंधर में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चनन सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह वासी गांव धनोवाली तहसील जालंधर। (अन्तरक)

(2) मैसर्स बी० डी० अग्रवाल ऐण्ड सन्स (प्रा०) लिमिटेड जी० टी० रोड, जालंधर मार्फत श्री वणम्बर दास, हिस्सेदार। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6978 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 28 मई 1974

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/Jul./ए० पी०-929/74-75---
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7141
नवम्बर 1973 लिखा है, जो जालंधर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अधिसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961-का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—
4-206GI/74

- (1) ए०पी०जे० स्टील (प्र०) लिमिटेड, जालंधर (अन्तरक)
 - (2) श्री बी० हंसराज पुत्र श्री गुरादिता गांव रेहू (अन्तरिती)
 - (3) श्री बी० हंसराज पुत्र श्री गुरादिता गांव रेहू। (वह
व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है) ।
- को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7141 नवम्बर
1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल०/ए० पी०-930/74-75—यस मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 7142 नवम्बर 1973 लिखा है, जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) ए० पी० जे० स्टील (प्रा०) लिमिटेड जालंधर ।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुहागबंती पत्नी श्री हम राज गांव रेवा ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 7142 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 28 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर० /Patti/ए० पी०-931/74-75—यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2151 नवम्बर 1973 लिखा है, जो गांव मोरहिन्डो के तह० पट्टी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बाबा सिंह, जसवाल सिंह पुत्र श्री बंता सिंह बासी पुरानी जेल रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री मुख्तियार सिंह, वागीचा सिंह, मजूर सिंह पुत्र श्री दरबारा सिंह, बासी दरजके तट पट्टी (अन्तरिती)।

(3) जैसा कि नं० 2 पर है : (वह व्यक्ति जिसे अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2151 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पट्टी में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 28 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०बी०एच०टी०/ए० पी०-932/74-75
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4769 नवम्बर 1973 को लिखा है जो गांव गिल पट्टी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री धंता सिंह पुत्र श्री नंद सिंह पुत्र श्री सोभा सिंह गांव गिल पट्टी तहसील भटिंडा । (अन्तरक)

(2) श्री गुरदेव सिंह, सुखदेव सिंह पुत्र श्री बक्शीश सिंह गांव गिल पट्टी, जिला भटिंडा । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 4769 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 28 मई 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निदेश सं० ए०एम०आर०/ए०पी०-933/74-75—यतः मुझे
डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 2913 नवम्बर 1973 लिखा है, जो बटाला रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को
पूर्वांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वांचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभि-
लिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी किशन मेहता पुत्र श्री लब्बू राम विजय मेहता
और मिसेज शुभ लता वासी लारंस रोड अमृतसर। (अन्तरक)
2. मैमर्ज पोलिनिट्टु इण्डस्ट्रीज, बटाला रोड मार्फत श्री सुदर्शन
कुमार चांपड़ा, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तां :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांचित व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2913
नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

तारीख : 28 मई, 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 जुलाई, 1974

निर्देश सं० 141/एकुरे:III/74-75/कल—यतः मुझे एल० के० बालमुग्रमनियन आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या 41/1बि० है, जो झाउटला रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दि रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, 1908 का 16 के अधीन 1-11-73 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

चन्द्रकान्त एन्ड ब्रोस एन्ड आदारस, उदय कुन्ज, 39, दानीर रोड, बान्द्रा, बोम्बई-40 । (अन्तरक)

नेटाजी को-आपरेटिव हार्जसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 1/2, एलेनबी रोड, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

करीब 2 बिघा 1 कठ्ठा और 7 छटाक खाली जमीन जो 41/1बि०, झाउटला रोड, थाना-कराया, कलकत्ता पर अब स्थित है और जो I 6383/1973 दलिल में रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्री हुई ।

एल० के० बालमुग्रमनियन, सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 26/7/74

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज III कलकत्ता

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निदेश सं० ए०एस०आर०/जाल/ए०पी०-942/74-75—

यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7446 नवम्बर 1973 लिखा है जो रिंग रोड, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शाम कुमार भारद्वाज पुत्र पंडित सत पाल भारद्वाज प्रापटी डीलरज जालंधर, मुख्तार ग्राम सं० हरभजन मिह जालंधर ।

(अन्तरक)

(2) जमपाल सिंह कुलर पुत्र भेजर अजीत सिंह 517, न्यू जवाहर नगर, जालंधर ।

(अन्तरिती)

(3) जैमा की नं० 2 पर

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जामता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो :

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7446 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 28 मई 1974

मोहर :

अर्जन रेंज अमृतसर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/ जुलाई/ए०पी०-943/74-75—
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7501 नवम्बर 1973 लिखा है ओ गहरा रोड़, जालंधर में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तर्गत के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री वीर सिंह जोहल पुत्र राज मल गांव जड़ियाला त० फिरोज़पुर जिला, जालंधर

(अन्तरक)

(2) श्री हरदियाल सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र श्री आत्मा कुरर पिंड तहसील जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्द है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7501 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 28 मई 1974। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जन रेंज, अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज; अमृतसर का कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जुल/ए०पी०-944/74-75—

यतः मुझे डी० एस० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिनकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7518 नवम्बर 1973 लिखा है जो गरहा रोड़, जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर

को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5—206GI/74

(1) श्री बीर सिंह जोहल पुत्र राजमल गांव जंझियाल त० फिल्लौर जिला जालंधर।

(अन्तरक)

(2) बलजीत सिंह पुत्र श्री आत्मा सिंह कुकर पिंड, तहसील जालंधर।

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में गति रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्द है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7518 नवम्बर 1973 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सजम प्राधिकारी
तारीख: 28 मई 1974। सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर: अर्जन रेंज अमृतसर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक: 28 मई 1974

निर्देश सं० ए०एम० धारा०/जे० य० एल०/ए० पी०-945/74-75--यस: मुझे डी० एस० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7391 नवम्बर, 1973 लिखा है जो वाई पास, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसजु ए० पी० जे० स्टील (प्रा०) लिमिटेड, टांडा रोज मार्फत श्री नंद लाल सप्रवाल पुत्र श्री लछमन दाम बामी 88, विजय नगर, जालंधर। (अन्तरक)
मोहर:

2. 1. श्री कर्म सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह बामी वाई पास टांडा रोड जालंधर।

2. कर्नल जोगेन्द्र सिंह पुत्र मेजर पूर्ण सिंह, फतेह जालंधर।

3. श्री तरसेम लाल, कृष्ण कुमार पुत्र श्री मंगल राय मार्फत गुप्ता एण्ड परमिटर सिंह पुत्र श्री बक्षीश सिंह पुत्र विशान सिंह

4. लछमद सिंह पुत्र बंता सिंह

5. बक्षीश सिंह बामी श्रद्धा बमनियां जालंधर

दिलबाग सिंह पुत्र श्री चरण सिंह गांव कादू होशियारपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख:— 28 मई 1974।

मोहर:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 मई 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/जुलाई/ए०पी०-946/74-75—
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7345 नवम्बर, 1973 लिखा है जो आबादपुरा जालंधर में स्थित है (श्रीर हमसे उपायग्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, नवम्बर को पूर्वाचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना; ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रणवीर सिंह पुत्र बचन सिंह, गुरजरग कौर पत्नी सं० बचन सिंह, कुलाजिंदर सिंह पुत्र सं० बचन सिंह अवतार कौर पुत्री सं० बचन सिंह वासी सुरांवाला प्रकाश सिंह पुत्र सं० बंता सिंह त० कपूरथला वासी ई० एम० 106, रास्ता मोहल्ला जालंधर (मुक्तार ग्राम) (अन्तरक)

2. मदन राम पुत्र श्री अमर राम पुत्र हरिया श्रीमती प्रकाशो पत्नी श्री मदन राम वासी भारद्वाज त० फिल्लोर मार्फरत श्री तरसेम लाल पुत्र श्री जगत राम बूटा मंडी जालंधर । (अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने आक्षेप ऐसा किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7345 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर ।

तारीख : 28 मई 1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 28 मई 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जे० यू० एल०/ए० पी०-947/74-75 यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है। और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6826 नवम्बर, 1973 लिखा है जो लाहोवाली रोड जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्टर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1973, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरचरण सिंह पुत्र सरदार अर्जन सिंह दुकान नं० 3 बी माडल टाऊन जालंधर।

2. चतर भुज पुत्र श्री जगन नाथ मिश्रल कृष्ण नगर, जालंधर (अन्तरिती)

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6826 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6826 नवम्बर 1973 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।)

तारीख :— 28 मई, 1974

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जुलाई/ए० पी-948/74-75
यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7105
नवम्बर, 1973 लिखा है जो लागू वाली रोड, जालंधर में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को
पूर्वाधिकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री प्रीतम सिंह पुत्र सरदार देवा सिंह रिटायर्ड एस० पी०
जालंधर। वामी 579 माडल टा न, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री चतरभुज पुत्र जगन नाथ मित्तल कृष्ण नगर, जालंधर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता
है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएँगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों,
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 7105 नवम्बर, 1973
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर, में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 28 मई 1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/ जुलाई/ए० पी-949/74-75-
यतः मुझे डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० धलती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6827
नवम्बर, 1973 लिखा है जो लाडोवाली रोड, जालंधर में स्थित
है (और इसमें उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय
रजिस्करण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
1973, नवम्बर को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोहिन्द्र पाण सिंह लै० कर्नल ऐ० एस० बक्शी 99,
न्यू जवाहर नगर, जालंधर

(अन्तरक)

2. श्री चतरभुज पुत्र जगन नाथ मित्तल कृष्ण नगर, जालंधर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी
जानता है)।

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए
आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान
नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को,
जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को
भी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर
ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई
है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार
होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6827 नवम्बर,
1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 28 मई 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 मई 1974

निर्देश सं० ए०एम० आर/बाबा बकाला/ए०पी०/934/74-75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1518 नवम्बर, 1973 को लिखा है, जो गांव राजपुर न० अमृतसर में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरगतियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री गुरैत सिंह नातिजात वामी गांव राजपुरा न० अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री जगनैल सिंह पुत्र श्री ऊधम सिंह वामी गांव झालारी न० अमृतसर। (अन्तरगति)

3. जैमा कि न० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1518 नवम्बर, 1973 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बाबा बकाला में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 28 मई, 1974

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

बि० सं० 34

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

*आयोग उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

*उच्च प्रारम्भिक वेतन योग्यताओं के अनुसार दिया जा सकता है।

*आयु 1-1-74 तक की गिनी जायगी। (विस्थापितों, अ० जा०, अ० ज० जा० और सरकारी कर्मचारियों को, जहाँ अन्यथा न बताया गया हो, आयु-सीमा में छूट संभव)।

*आवेदन पत्र और विवरण के लिए सचिव, सं० लो० से० आयोग, नई दिल्ली-1100, को बिना टिकट के अपना पता लिखे हुए लिफाफे (23×10 से० मी०) के साथ मद संख्या, पद का नाम और विज्ञापन संख्या का हवाला देते हुए लिखें।

*पदों का आरक्षण—अ० जा० के लिए—क्र० सं० 11, 17, 20 और 21। अ० ज० जा० के लिए—क्र० सं० 5।

*पदों का स्वरूप—स्थायी क्र० सं० 1, 3 और 19 किन्तु नियुक्ति अस्थायी। अस्थायी—क्र० सं० 2, 4, 6 से 14, 16 से 18, 20 और 21 अनिश्चित काल तक चलना सम्भव। क्र० सं० 5 और 15 चलते रहना संभव।

*आवेदन शुल्क भारतीय पोस्टल ऑर्डर के रूप में आठ रु० (अ० जा० और अ० ज० जा०, के लिए दो रु०), विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास से शुल्क जमा करें।

*आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख: 23 सितम्बर, 1974 (विदेश, अंडमान, निकोबार और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों को लिए 7 अक्तूबर, 1974)।

संकेत :—अ० जा०—अनुसूचित जाति, अ० ज० जा०—अनुसूचित जन जाति, अ० यो०—अनिवार्य योग्यताएं।

1. एक निदेशक, कम्प्यूटर केन्द्र, योजना मंत्रालय। वेतन :—रु० 1800-100-2000 (परिशोधन पूर्व)। आयु :—50 वर्ष। अ० यो० :—सांख्यिकी या गणित/परिचालन अनुसंधान/अर्थशास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी/सांख्यिकी में प्रशिक्षण सहित) “मास्टर” डिग्री और किसी सरकारी विभाग या विख्यात वाणिज्यिक प्रतिष्ठान में सांख्यिकीय कार्य/अन्वेषण/अनुसंधान का लगभग 12 वर्ष का अनुभव जिसमें लगभग 8 वर्ष का पर्यवेक्षकीय हैमियत से प्रशासन अनुभव सम्मिलित हो।

2. एक सहायक तकनीकी इंजीनियर अधिकारी (विकीरण विज्ञान), सं० से० बि० मां० डिपो, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-900-द० रो० 40-1100-50-1300 (परिशोधित)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—इलेक्ट्रा०, विषय या इलेक्ट्रा०, उपस्कर के व्यावहारिक अनुभव सहित इलेक्ट्रा इंजी० में डिग्री।

3. एक निरीक्षक (पत्तन सुरक्षा), कारखाना परामर्श सेवा तथा श्रम संस्थानों का महानिदेशालय, बम्बई, श्रम मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-40-900-द० रो० 40-1100-50-1300। (परिशोधित) : आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—यांत्रिक और/या वैद्युत इंजी० में डिग्री और किसी इंजी० कर्मशाला में 2 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव।

4. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-I, नौ विज्ञान और प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला, विशाखापटनम, अनु-विका संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250। (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अ० यो० :—वैद्युत इंजी० में कम से द्वितीय श्रेणी की डिग्री और वैद्युत मशीनों के अभिकल्पन और विकास में अनुसंधान एवं विकास का 4 वर्ष का अनुभव।

5. एक वैज्ञानिक अधिकारी, सिविल विमानन महानिदेशालय। वेतन :—रु० 400-400-800-50-950—परिशोधित रु० 700-40-900-द० रो० 40-1100-50-1300। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—यांत्रिक/वैमानिक इंजी० में डिग्री अथवा भौतिकी या गणित के साथ प्रथम श्रेणी की “बैचलर” डिग्री और किसी वायुयान कारखाने या वैमानिक अनु-विका संगठन के अभिकल्पन विभाग में व्यावहारिक अनुभव।

6. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-II, नौ विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला, विशाखापटनम, अनु-विका संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—यांत्रिक इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और संरचनात्मक अभिकल्पन/मशीन अभिकल्पन/वायु-संचालित प्रणालियों तथा युक्तियों में 2 वर्ष का अनुभव।

7. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-II, नौ विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला, विशाखापटनम, अनु-विका संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—वैद्युत इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और वैद्युत मशीनों के अभिकल्पन/निर्माण/मूल्यांकन में या नियंत्रण इंजी० के अभिकल्पन और विकास कार्य का 2 वर्ष का अनुभव।

8. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-II, नौ विज्ञान तथा प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला, विशाखापटनम, अनु-विका संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-900 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—इलेक्ट्रा०/दूर संचार इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और धन व्यवस्था परिपथों तथा युक्तियों के अभिकल्पन में 2 वर्ष का अनुसंधान अनुभव।

9. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II (वैद्युत इंजी०), (आख्याता), नौसेना मुख्यालय, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—वैद्युत इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री और वैद्युत इंजी० के विषय पढ़ाने का 2 वर्ष का अनुभव।

10. एक कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, रक्षा अनु-विकास प्रयोगशाला, हैदराबाद, अनु-विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 (परिशोधित) : आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—यांत्रिक इंजी० में कम से कम द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

11. एक वरिष्ठ तकनीकी सहायक, कृषि मंत्रालय। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—कृषि/यांत्रिक इंजी० में डिग्री और सुधरे कृषि उपकरणों के अभिकल्पन, निर्माण, मानकीकरण और लोक-प्रचलन में 2 वर्ष का अनुभव।

12. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (रसा० विज्ञान, गृह मंत्रालय)। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950 (परिशोधित रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—रसा० विज्ञान में एम० एम-सी० डिग्री और विश्लेषणात्मक विधियों में 5 वर्ष का अनुभव।

13. एक वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, ग्रेड-II, अनु-विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—भौतिकी/जीव-भौतिकी में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री और रेडियो आइसोटोप्स के नैदानिक प्रयोग में लगभग 2 वर्ष का अनुसंधान अनुभव।

14. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-II, अनु-विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 400-40-800-50-950। आयु :—वरीयतः 30 वर्ष से कम। अ० यो० :—पहले पद के लिए :—शरीर क्रिया विज्ञान/प्राणि विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री और मानव कार्य शरीर क्रिया विज्ञान या तांत्रिका/शरीरक्रिया विज्ञान में लगभग 2 वर्ष का अनुसंधान अनुभव। दूसरे पद के लिए :—शरीर क्रिया विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री और तांत्रिका—शरीर क्रिया विज्ञान में लगभग 2 वर्ष का अनुभव।

15. एक विशेषज्ञ शल्य चिकित्सक (हृदय-वाहिका) रेल-मंत्रालय। वेतन :—1300-60-1600 (प्राधिकृत) तथा साथ में वेतन के 35% की दर से प्रैक्टिस न करने का प्रतिबंधित भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 500/- प्रतिमास होगा। आयु :—50 वर्ष। अ० यो० :—(i) भारतीय मेडिकल काउंसिल अधिनियम 1956 की प्रथम या द्वितीय अनुसूची में अथवा तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध (लाइसेंसिएट योग्यताओं को छोड़कर, मान्य मेडिकल योग्यता। तृतीय अनुसूची के भाग II में निबद्ध शैक्षिक योग्यताओं से युक्त उम्मीदवारों को भारतीय मेडिकल काउंसिल अधिनियम, 1956, की धारा 13 (3) में निर्धारित शर्तों को भी पूरा करना होगा। (ii) सामान्य शल्यचिकित्सा में स्नातकोत्तर योग्यता जैसे एम० आर० सी० एम०। (iii) हृद-वाहिका शल्यचिकित्सा में सम्बद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर 7 वर्ष का अनुभव। (iv) हृद-वाहिका शल्य-चिकित्सा में संबद्ध विशिष्ट एकक के संगठन तथा संचालन में व्यावहारिक अनुभव।

6—2061/74

16. दो नेत्र विशेषज्ञ, के०स०स्वा०यो०, नई दिल्ली, स्वास्थ्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 600/- प्रतिमास होगा (परिशोधन सम्भव)। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—(i) वही जो उपर्युक्त मद 15 (i) में है। (ii) नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएं जैसे एम० एम०, एफ० आर० सी० एस० (नेत्र विज्ञान सहित), डी० ओ०, डी० ओ० एम० एम०। (iii) स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त उम्मीदवारों के लिए विशेषज्ञता से सम्बद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम 3 वर्ष का कार्य तथा स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्राप्त उम्मीदवारों के लिए विशेषज्ञता से सम्बद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम 5 वर्ष का कार्य।

17. एक मनोविकार विज्ञानी, के०स्वा० से०, केन्द्रीय अस्पताल, आसनसोल, स्वास्थ्य मंत्रालय। वेतन :—रु० 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिक से अधिक रु० 600/- प्रतिमास होगा (परिशोधन सम्भव)। आयु :—50 वर्ष। अ० यो० :—(i) वही जो उपर्युक्त मद 15 (i) में है। (ii) मनोविकार विज्ञान में स्नातकोत्तर योग्यताएं जैसे, मनोविकार विज्ञान सहित एम० डी०, मनोविकार विज्ञान सहित एम० आर० सी० पी०, डी० पी० एम०। (ii) मनोविकार विज्ञान में सम्बद्ध किसी दायित्वपूर्ण पद पर कम से कम 3 वर्ष का कार्य।

18. दो वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड-I, रक्षा पुरक शरीरक्रिया विज्ञान व सम्बद्ध विज्ञान संस्थान, दिल्ली कैंट, अनु-विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय। वेतन :—रु० 700-50-1250 तथा साथ में विद्यमान नियमों के अनुसार वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—वरीयतः 40 वर्ष से कम। अ० यो० :—दोनों पदों के लिए :—(i) वही जो उपर्युक्त मद 15 (i) में है। (ii) एक पद के लिए :—हृदय-श्वसन शरीर क्रिया विज्ञान/श्रोषध विज्ञान में अनु-संधान/शिक्षण का 4 वर्ष का अनुभव। दूसरे पद के लिए :—नैदानिक रोगविज्ञान में शिक्षण/अनुसंधान का 4 वर्ष का अनुभव।

19. एक अनुसंधान सहायक, भारत का निर्वाचन आयोग। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—राजनीति विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी या समाजशास्त्र में द्वितीय श्रेणी की “मास्टर” डिग्री अथवा सांख्यिकी, अर्थशास्त्र या समाजशास्त्र में प्रथम श्रेणी की “बीचलर” डिग्री।

20. एक अधीक्षक, बालउत्तरक्षा गृह, दिल्ली प्रशा०। वेतन :—रु० 500-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित)। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—सामाजिक विज्ञान के किसी विषय जैसे समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र, मानवविज्ञान आदि में डिग्री तथा वरीयतः सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त किसी समाज कल्याण संस्था में दायित्वपूर्ण पद पर सामाजिक कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव।

21. एक अधीक्षक, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन, योजना मंत्रालय। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो० - 20-275 (परिणोद्यत होना है)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—सांख्यिकी यागणित/अर्थशास्त्र/वाणिज्य (सांख्यिकी महित) में "मास्टर" डिग्री अथवा गणित/सांख्यिकी/अर्थशास्त्र के विषय के साथ डिग्री तथा साथ में सांख्यिकी में कम से कम 2 वर्ष के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त मान्य डिप्लोमा और सांख्यिकीय कार्य का लगभग 3 वर्ष का अनुभव जिसमें सांख्यिकीय आंकड़ों का संग्रह, संकलन तथा निर्वचन निहित हो।

शुद्धि-पत्र

एक सहायक निदेशक (तकनीकी) (ग्रेड-II), पटसन आयुक्त का कार्यालय, कलकत्ता, वाणिज्य, मंत्रालय। (29-6-1974 को प्रकाशित सं० लो० से० आ० के विज्ञापन संख्या 26 की मद संख्या 8)। सरकारी कर्मचारियों के लिए आयु में छूट दी जा सकती है। अन्तिम तारीख 23-9-1974 (विदेश स्थिति उम्मीदवारों के लिए 7-10-1974) तक बढ़ा दी गई है।

अशोक चन्द्र बन्धोपाध्याय,
सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011 the 20th July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—Shri N. K. Prasad, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Selection Grade of the Service, vide this office Notification No. A. 313/2/73-Admn.I, dated 28th March, 1974, relinquished charge of the office of Deputy Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 17th June, 1974.

2. On his reversion, Shri N. K. Prasad, resumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 17th June, 1974.

The 22nd July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service vide this office Notification No. A. 32013/1/74-Admn., dated 18th May, 1974, relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 1st January 1974.

2. On his reversion, Shri B. N. Addy, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 1st July 1974.

The 23rd July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission appointed to officiate in Grade I of the Service vide this office Notification No. A. 32013/1/74-Admn.I, dated 16th April, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 3rd June, 1974.

2. On her reversion Miss S. T. Keswani, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 3rd June 1974.

The 25th July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—Shri R. R. Shimray, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service vide this office Notification No. A. 32013/1/74-Admn.I, dated 28th May, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 14th July 1974.

2. On his reversion, Shri R. R. Shimray resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of 4th July 1974.

The 27th July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—Shri R. P. Sankartaria, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central

Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service, vide this office Notification No. A. 32013/1/74-Admn.I, dated 8th May, 1974 relinquished charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 18th June 1974.

2. On his reversion, Shri R. P. Sankartaria resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission.

M. R. BHAGWAT, Under Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 11th July 1974

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification No. A. 32014/1/73-Admn.III, dated the 27th May, 1974, the President is pleased to appoint Shri K. L. Suri, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officer's Grade of the service for a further period from 7-6-74 to 28-2-75 or until further orders, whichever is earlier.

The 20th July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Prasad, a permanent officer of Grade I of the Cabinet Secretariat Service to officiate in the Selection Grade of the Service for a period of 6 months with effect from 19-6-1974 to 18-12-1974 (both days inclusive) or till a regular officer joins, whichever is earlier.

The 22nd July 1974

No. A. 32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Miss S. T. Keswani a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months with effect from 5-6-1974 to 4-9-1974 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A. 31014/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri G. R. Sapra, a permanent Personal Assistant (Grade II of CSSS) and officiating in the Selection Grade of the CSSS cadre of UPSC, substantively in the grade of Senior Personal Assistant (Grade I of the CSSS) in the same cadre with effect from the forenoon of 1st May, 1972.

M. R. BHAGWAT
Under Secretary
(Incharge of Administration),
Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 26th July 1974

No. 25/24/74-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri R. B. Lal, an officer of the Indian Statistical Service, as Deputy Registrar General (VS) on a purely temporary and ad-hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of 1 July 1974.

2. His headquarters will be at New Delhi,

R. B. CHARI
Registrar General, India

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 16th July 1974

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri K. Sivasankaran Nair, officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation on the afternoon of 30th June 1974.

Sd. Illegible
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 24th July 1974

No. OEI-Audo-131.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Akhouri Bindhyachal Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 30-3-74 (FN).

No. OEI-Audo-137.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Benoy Kumar Roy, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 8-4-74 (FN).

No. OEI-Audo-1657.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Ajit Kumar Ghose, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 24-5-74 (FN).

No. OEI-Audo-2433-1690.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Sambar Krishna Ghosh, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 27-12-73 (FN).

No. OEI-Audo-4275.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Rabi Bhushan Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 1-10-73 (FN).

No. OEI-Audo-4278.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Pravas Ranjan Sen, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 1-10-1973 (FN).

The 26th July 1974

No. 40011(2)/74-AN-A :—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Sarvashi K. Nagarajan (P/89)	Permanent Accounts Officer	31-10-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command Poona.
2.	S.K. Mitra (P/240)	Permanent Accounts Officer	30-9-74 (AN)	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
3.	Shamsher Singh (P/275)	Permanent Accounts Officer	30-9-74 (AN)	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
4.	R.Y. Samrath (P/464)	Permanent Accounts Officer	31-10-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command Poona.
5.	C.C. Banerjee (P/645)	Permanent Accounts Officer	31-8-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, (Pensions), Allahabad.
6.	C.G. Paranjpe (O/420)	Officiating Accounts Officer	30-9-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, (Officers), (Poona).

S. K. SUNDARAM
Addl. Controller General of Defence Accounts

No. OEI-Audo-519.—The Accountant General I, Bihar has been pleased to promote Sri Bannali Choudhary a permanent Section Officer of his office to officiate until further orders as Accounts Officer in the scale of Rs. 800-40-1000-EB-40-1200 in that office with effect from 29-1-1974.

B. P. SINHA
Sr. Deputy Accountant General (Admn.) Bihar

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 18th July 1974

No. 40011(2)/74-AN-A.—Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) Civil Service Regulations, Volume I and the same having been accepted by the Controller General of Defence Accounts, Shri M. P. Chandrasekharan Nair, Officiating Accounts Officer (Roster Number O/366) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Other Ranks), South, Madras, will be transferred to pension establishment with effect from the forenoon of 15th September, 1974.

2. Shri M. P. Chandrasekharan Nair has been granted earned leave for 30 days from 16-8-1974 to 14-9-1974 preparatory to his retirement. The leave period will run concurrently with the notice period. He has also been granted earned leave for 8 days from 15-9-74 to 22-9-74.

The 25th July 1974

No. 40011(2)/74-AN-A.—Having given notice of voluntary retirement under the provisions of Rule 48 of C.C.S. (Pension) Rules 1972 and the same having been accepted by the Controller General of Defence Accounts, Shri S. K. Guruswamy, Officiating Accounts Officer (Roster Number O/260) serving in the office of the Controller of Defence Accounts (Officers), Poona, will be transferred to pension establishment with effect from the forenoon of the 1st September 1974.

2. Shri S. K. Guruswamy has been granted earned leave for 27 days from 10-6-74 to 6-7-74 and half-pay leave for 56 days from 7-7-74 to 31-8-74 preparatory to his retirement. The leave period will run concurrently with the notice period. He has also been granted half-pay leave for 13 days from 1-9-74 to 13-9-74.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(Establishment)

New Delhi, the 25th July 1974

No 6 231/54 Admn (G)/3342—The President is pleased to re-employ Shri S R Minocha, a CSS Selection Grade Officer as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for a further period of 3 months with effect from the forenoon of the 12th June, 1974

B D KUMAR

Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay 20, the 26th July 1974

No EST I-2(345)—Shri S S Sharma Deputy Director (N T) in the office of the Textile Commissioner, Bombay, relinquished charge on the 1st July, 1974 (forenoon) on his retirement from service.

S K BAGCHI

Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 22nd July 1974

No 12/632/69 Admn (G)—Consequent upon his deputation to Mauritius Shri O C Richards Assistant Director (Gr II), relinquished charge of his post in the office of the Development Commissioner Small Scale Industries, New Delhi on the afternoon of 3.5.1974

No A 19018/123/73 Admn (G)—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri E P Jacob a quasi permanent Small Industry Promotion Officer, SISI Bangalore, to officiate as Assistant Director (Gr II) in SISI Tichur, until further orders. He assumed charge as Assistant Director (Gr II) in the forenoon of 27th May, 1974

No A 19018 139/73-Admn (G)—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri T Natesan, a permanent Superintendent, SISI Hyderabad, to officiate as Assistant Director (Gr. II) in SISI Hyderabad on an *ad hoc* basis with effect from forenoon of 22nd April 1974 *vice* Shri K A Tingam granted leave

No A-19018/138/74 Admn (G)—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to appoint Shri P B Baidhan a quasi-permanent Investigator and officiating Small Industry Promotion Officer, Small Industries Service Institute Calcutta to officiate as Assistant Director (Gr II) in the Small Industries Service Institute, Cuttack, on an *ad hoc* basis. He assumed charge as Assistant Director (Gr II) in the forenoon of 22nd April, 1974

No A 19018/89/73-Admn (G)—The Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi is pleased to accept the resignation of Shri S V Joshi, Assistant Director (Gr II), Small Industries Service Institute, Ahmedabad with effect from the afternoon of 12th April, 1974.

2 Shri S V Joshi relinquished charge of the post of Asstt Director (Gr II) in the Small Industries Service Institute, Ahmedabad on the afternoon of 26.2.1974 and proceeded on earned leave for 45 days from 27.2.1974 upto and including 12.4.74

K V. NARAYANAN

Deputy Director (Admn)

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION
(DEPARTMENT OF REHABILITATION)OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER
REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Jeypore 764003, the 20th July 1974

No PF/G/52—Shri A R Ghosh Pay & Accounts Officer of the office of the Chief Pay & Accounts Officer Department of supply, New Delhi on deputation to Rehabilitation Reclamation Organisation as Accounts Officer, expired on 25th June 1974

B P SAXENA

Administrative Officer
for Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st August 1974

No A19012(55)/72-Estt A—Shri H. R. Shiva Swamy Rao, Assistant Administrative Officer, Indian Bureau of Mines is appointed to officiate as Administrative Officer in the scale of pay of Rs 840-40 1000-EB 1200/- in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 19th July, 1974, until further orders

A K RAGHAVACHARY, Sr Administrative Officer
for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-13, the 23rd July 1974

No 2957B 2222(MT)/19A—Shri Mukteshwar Tiwari is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs 650 per month in the scale of pay of Rs 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/ in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 8.4.1974, until further orders

The 24th July 1974

No 3021B 40 59/C/19A—The *ad hoc* appointment of Shri A N Sen in the post of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India is regularised with effect from the forenoon of 29.5.1974.

Shri Sen was holding *ad-hoc* appointment in the post of Assistant Administrative Officer with effect from 18-1-1972.

No 3013B 22/66/19A—The *ad hoc* appointments of the following officers to the posts of Stores Officer in the Geological Survey of India are regularised with effect from the forenoon of 27.4.1974, until further orders:—

- 1 Shri Ram Swaroop.
- 2 Shri D Sur Chowdhury.
- 3 Shri S N Ghosh
- 4 Shri V P Mehta
- 5 Shri A K Kundu

The above officers were holding *ad-hoc* appointments in the posts of Stores Officer with effect from the dates noted below:—

- 1 Shri Ram Swaroop, 18-5-1971.
- 2 Shri D Sur Chowdhury, 1-7-1972
- 3 Shri S N Chosh, 1-7-1972.
- 4 Shri V P Mehta, 6-7-1972
- 5 Shri A K Kundu, 2-8-1972

The 26th July 1974

No 3067B 2222(JKN)/19A—The President is pleased to appoint Shri Jayanti Kumar Nanda to the post of Geologist (Junior) in the Geological Survey of India in the revised scale of pay of Rs 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/ in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1.6.1974 until further orders

C KARUNAKARAN, Director General.

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 11th July 1974

No. F. 70-2/74-Estt./8639.—The following Senior Zoological Assistants, Zoological Survey of India, are appointed as Assistant Zoologists (Cl. II—Gazetted) in the same Department at the Headquarters on *ad hoc* basis, with effect from the dates shown against each, until further orders.

1. Shri S. K. Saha—29-6-74 (Afternoon).
2. Mrs. Monisha Sen—29-6-74 (Afternoon).
3. Shri D. N. Tiwari—29-6-74 (Afternoon).
4. Dr. G. N. Saha—29-6-74 (Afternoon).

Dr. S. KHERA, Dy. Director in-Charge

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 27th April 1974

No. F.11(7).—In this Department's Notification No. E.11 (7), dated the 11th July, 1969, add the following namely:

Under Class 2—NITRATE MIXTURE

- (i) add "PRM 12 for carrying out field trials at specified locations upto 31st March, 1975" after the entry "POWERITE".
- (ii) and "SUPERFLO for carrying out field trials in selected mines upto 31st March, 1975" after the entry "SUPERDYNE".

Under Class 6—Division 3

- (iii) add "DETONATING RELAYS TYPE P.T. for carrying out trials upto 31st March, 1975" after the entry "DETONATING RELAYS".

I. N. MURTY,
Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-1, the 16th July 1974

No. 9/40/66-Estt.II.—Shri S. S. Mehra, Associating Exhibition Assistant is appointed to officiate as Field Exhibition Officer in this Directorate at Ahmedabad in a temporary capacity on *ad hoc* basis with effect from 1st July, 1974, until further orders.

R. L. JAIN, Dy. Director (Admn)
for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-11, the 20th July 1974

No. 29-17/74-CHSI.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. M. B. Suryawanshi as Junior Medical Officer in the Central Government Health Scheme, Bombay with effect from the forenoon of the 1-2-1974 on an *ad hoc* basis until further orders.

G. PANCHAPAKFSAN, Dy. Dtr. Admn. (CHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION
Nagpur, the 1974

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue), Ministry of Foreign Trade, Ministry of Commerce, Notifications, No. 125, 126, 127 Dt. 15-9-1962, No. 1131, 1132 dt. 7-8-1965, No. 2907 dt. 5-3-1971, No. 3601-A 3601-B 3601-C dt. 1-10-1971, No. 3099 Dt. 3-11-1973, No. 1133, 1134, 1135 dt. 7-8-1965, and published in the Gazette of India, I hereby

authorise the following officers to issue Certificate of Grading in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek, Celery Seed, Cumin Seed, Onion, Garlic and Pulses, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

Name and Designation

Shri C. P. Gopinathan Nair,—Assistant Marketing Officer.
Shri P. Y. Shurke,—Assistant Marketing Officer.

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) notification Customs notifications No. 1133, 1134, 1135 dated 7th August, 1965, I hereby authorise Shri K. Subramanyam, Assistant Marketing Officer to issue Certificate of Grading in respect of Onion, Garlic and Pulses, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Ministry of Foreign Trade and Ministry of Commerce notifications, No. 125, 126, 127 dated 15-9-1962, No. 1131, 1132 dated 7-8-1965, No. 2907 dated 5-3-1971, No. 3601-A 3601-B 3601-C dated 1-10-1971, No. 3099 dated 3-11-73, and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri S. V. S. Saama, Marketing Officer, to issue Certificate of Grading in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger, Turmeric, Coriander, Fennel Seed, Fenugreek, Celery Seed, and Cumin Seed, which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

The 13th April 1974

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of Government of India, Ministry of Finance & (Department of Revenue) Notification No. 125, 126, 127 dated 15-9-1962, No. 1131, 1132 dated 7-8-1965, and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri M. P. George, Assistant Marketing Officer to issue Certificate of Grading in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger and Turmeric which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions above mentioned notification.

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) notification No. 12, dated 9-6-1945, No. 1 Camp dated 5-1-1946, No. 6 dated 5-2-1949, No. 64 dated 17-6-1961, No. 48 dated 24-5-1954, No. 173 dated 29-12-1954, and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri V. P. Singh, Assistant Marketing Officer to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Tobacco, Wool and Bristles which have been graded in accordance with the provisions of the Grading and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notification.

No. F.2/8/74-DN.II.—For the purpose of the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) notifications, No. 125, 126, 127 dated 15-9-1962, No. 1131, 1132 dated 7-8-1965, and published in the Gazette of India, I hereby authorise Shri K. M. Balakrishnan, Senior Inspector to issue Certificate of Grading in respect of Black Pepper, Chillies, Cardamom, Ginger and Turmeric which have been graded in accordance with the provisions of the Grading

and Marking Rules of the respective commodities as amended from time to time and formulated under Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937) and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notification.

No. F.2/8/74-DN.II.—In partial modification of notifications No. F.2/8/70-DN.II, published in the Gazette of India, Part III, Section I dated 21-7-73 (Pages 1840 and 1941) the name of Shri A. D. Gopinathan Kartha, Senior Inspector, wherever occurring in the said notification may be treated as cancelled.

The 22nd July 1974

No. F.2/8/74-DN.II.—In partial modification of notifications No. F.2/8/70-DN.II, No. 3(TL)/2/65-D.II, No. F.5/11/69-D.II, published in the Gazette of India, Part III, Section I, dated 21-7-1973 (Pages 1840, 1841 and 1843) the name of Shri C. N. Anandakrishnan, Senior Inspector, wherever occurring in the said notification may be treated as cancelled.

N. K. MURAJIDHARA RAO
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-400 085, the 27th June 1974

No. PA/81(51)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Tapan Jyoti Sen, a temporary Scientific Assistant (B) in the VEC Project of Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade-SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

The 29th June 1974

No. PA/81(51)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Rabindra Nath Sen Gupta, a temporary Scientific Assistant (C) in the VEC Project of Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade-SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1974, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400 085, the 23rd July 1974

Ref./5/1/74-Estt.V/505.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Jerome D'Costa, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 2-5-1974 to 24-6-1974.

Ref. 5/1/74-Estt.V/506.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre hereby appoints Shri Ramanujachari Desikachari, Stenographer (Senior) to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period from 7-5-1974 to 21-6-1974.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

(Atomic Minerals Division)

Hyderabad-500016, the 17th June 1974

No. AMD-2/786/59-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. C. Sud, a permanent Asstt. and officiating Accountant in the Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the same Division with effect from May 22, 1974 forenoon until further orders.

S. RANGANATHAN,
Senior Administrative and Accounts Officer,
for Director.

(Heavy Water Projects)

Bombay-400 008, the 16th July 1974

No. 05000/P/92/5131.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Jyoti Prakash Durlabhbbai Patel as Labour-cum-Welfare Officer in the Heavy Water Project (Baroda), in a temporary capacity, with effect from June 29, 1974 (FN) until further orders.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer.

(Directorate of Purchase & Stores)

Bombay-400 001, the 15th July 1974

No. DPS.A.22011:13-74-Est.—On transfer from the Bhabha Atomic Research Centre, Department of Atomic Energy, the following officers assumed charge of the posts shown against their names, in a temporary capacity in the Directorate of Purchase and Store, Department of Atomic Energy, in the forenoon of February 15, 1974 :

Sr. No., Name and Post
Asstt. Purchase Officers

1. Shri P. Balasubramanian
2. Shri M. K. Chacko
3. Shri V. S. Ramaswamy
4. Shri A. K. Janardhanan
5. Shri S. J. Pradhan
6. Shri C. J. Mulchandani
7. Shri M. Narayanan
8. Shri P. V. Ramanathan
9. Shri P. K. Subban
10. Shri S. G. Kadulkar
11. Shri P. Narayanan Kutty
12. Shri M. G. Subramani
13. Shri V. C. John
14. Shri R. S. Gaikwad

Asstt. Stores Officers

15. Shri P. John Jacob
16. Shri N. S. Nair
17. Shri I. P. Menon
18. Shri V. P. Tilloo
19. Shri Simon D'Souza
20. Shri T. C. George
21. Shri K. Sreedharan
22. Shri K. K. Sharma
23. Major K. J. Philipose

Asstt. Accounts Officers

24. Shri P. S. Rao,
25. Shri G. L. Haldipur
26. Shri V. K. Potdar
27. Shri K. P. Wadia

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer.

(Nuclear Fuel Complex)

Hyderabad-500040, the August 1974

No. NFC/Admn/22/13/1152.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri V. R. Vijayan, Stenographer (Sr) to officiate as Assistant Personnel Officer in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad from 1-7-1974 FN until Further orders.

S. P. MHATRE,
Senior Administrative Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th July 1974

No. A-32012/4/73-E.S.—The station of posting in respect of Shri K. P. Chakraborty as shown against his name *vide* Notification No. A-32012/4/73-ES, dated 21-6-74, may be amended to read as Controller of Aerodromes, Calcutta Airport, Calcutta, instead of to Regional Controller of Aerodromes, Calcutta.

The 26th July 1974

No. A-32012/4/73-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Superintendent (Non-Gazetted) as Administrative Officer (Gazetted-Class II) with effect from the date and at the station shown against his name on *ad hoc* basis until further orders:

S. No., Name, Station of posting and Date of Assumption of Charge as Administrative Officer

Shri R. G. Sarkar, Regional Director, Calcutta—24th June 1974.

S. GUPTA, Asstt. Dir. Admn.

New Delhi, the 5th August, 1974

No. A-32014/4/73-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri R. Ramamurthy, Technical Assistant at Aeronautical Communication Station Palam, as Assistant Technical Officer on an *ad hoc* basis at the same station with effect from the 24th July, 1974 (forenoon) vice Shri O. P. Chhabara, Assistant Technical Officer at Aeronautical Communication Station, Palam granted leave.

S. GUPTA, Asstt. Dir. of Admn.
for Dir. Genl. of Civil Aviation.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

(India Meteorological Department)

New Delhi-3, the 24th July 1974

No. F(1)04229.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri J. R. De Professional Assistant, Meteorological Office, Lucknow under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 5th June, 1974 and until further orders.

Shri J. R. De, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to the Meteorological Office, Patna under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 25th July 1974

No. F(1)04213.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. Muthuswamy Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 1st May, 1974 and until further orders.

Shri V. Muthuswamy, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the office of Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE M. P. & VIDARBHA

Nagpur, the 25th July 1974

N. 7/74:—Consequent upon their appointment as Officiating Superintendent of Central Excise, Class II the following permanent Inspectors of Central Excise (S.G.) of this Collectorate assumed charge as Superintendent of Central Excise, Class II as indicated below:—

S. No.	Name of Officer	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri R. C. V. Bhate	Superintendent (Prev. I), C. Ex. I.D.O. Ujjain.	24-5-1974 (F.N.)
2.	Shri B. P. Rekhade	Superintendent (Tech. I), C. Ex. I.D.O., Jabalpur.	10-6-1974 (F.N.)

No. 8/74:—Shri B. K. Randive, Superintendent of Central Excise, Class II in Nagpur Collectorate has been dismissed from Govt. service with effect from 6-6-1974.

R. N. SHUKLA
Collector.

No. E(1)04148.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri E. C. Chacko, Professional Assistant, Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st May, 1974 and until further orders.

Shri E. C. Chacko, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Meteorological Centre, Trivandrum under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(1)04234.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. Balakrishnan, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th May, 1974 and until further orders.

Shri S. Balakrishnan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

NOOTAN DAS, Meteorologist
for Director General of Observatories.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 25th July 1974

No. 1/167/74-EST.—Shri V. A. Fernandez, permanent Supervisor, Headquarters Office, Bombay, is appointed as Traffic Manager, in an officiating capacity at the Madras Branch with effect from the forenoon of the 1st July, 1974 and until further orders.

P. G. DAMLE, Director General

Bombay, the 27th July 1974

No. 1/321/74-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri N. K. Das, Asstt. Supervisor, Calcutta Branch as Supervisor in an officiating capacity in the same Branch for the period from 6-5-1974 to 8-6-1974 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Administrative Officer.
for Director General

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

New Delhi, the 23rd July 1974

(ESTABLISHMENT)

No. 57.—Shri V. N. Sharma, Office Superintendent Central Excise and Customs of this Collectorate, appointed to officiate as Administrative Officer in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—830—40—1040—FB—40—1200, took over charge of the office of the Administrative Officer, Central Excise M.O.D.-II, New Delhi in the afternoon of 12-6-74 from Shri J. C. Malik, Administrative Officer transferred to Central Excise Division, Jodhpur.

M. S. MEHTA, Collector

Allahabad, the 22nd July 1974

No. II(3)303-I-1/70/22144.—Shri P. B. Pradhan, Superintendent of Central Excise, Class II, posted at Shahjahanpur in the Central Excise Integrated Divisional Office, Sitapur, is allowed to cross the Efficiency Bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—FB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 7-8-1973.

H. B. DASS, Collector

CUSTOMS ESTABLISHMENT

Calcutta, the 26th July 1974

No. 16/73.—Shri K. L. Banerjee, Office Superintendent, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Administrative Officer, Calcutta Custom House, with effect from 16-4-1973 (FN).

No. 17/73.—Md. Anwar Ali, Office Superintendent, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Administrative Officer, Calcutta Custom House, with effect from 16-4-1973 (FN).

No. 18/73.—Shri D. K. Acharyya, Office Superintendent, Calcutta Custom House has been promoted to officiate as Administrative Officer, Calcutta Custom House, with effect from 19-4-1973 (FN).

No. 19/73.—Shri H. C. Dass, a Preventive Officer Grade I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House with effect from 31-8-1973 (FN).

No. 20/73.—Shri S. R. Dutta, a Preventive Officer Grade I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House with effect from 31-8-1973 (FN).

No. 21/73.—Shri D. K. Chakraborty (I), a Preventive Officer Grade I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House with effect from 31-8-1973 (FN).

No. 22/73.—Md. Ashan, a Preventive Officer Grade I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House with effect from 31-8-73 (FN).

No. 23/73.—Shri L. A. Brown, a Preventive Officer Grade I, Calcutta Custom House, has been promoted to officiate as Preventive Inspector, Calcutta Custom House with effect from 17-9-1973 (FN).

No. 24/73.—Md. Anwar Ali, Administrative Officer, Calcutta Custom House, retired from service with effect from 30-4-1973 (FN).

Sd/-
Collector of Customs, Calcutta.

INTTEGRAL COACH FACTORY GENERAL MANAGER'S OFFICE PERSONNEL BRANCH/SHFL

Madras-38, the 26th July 1974

No. PB/GG/9/Misc/II.—The date of retirement of Sri R. S. CHARI, Officiating Deputy Chief Personnel Officer

(JA) referred to at Sl. No. 1 of Notification sent under this office endorsement of even number dated 20-6-74, may be amended as 30-4-1974 instead of 20-4-1974.

Sri R. RAJAGOPALAN, Officiating Assistant Engineer/Construction II (Class II) has been reverted to Class III service with effect from 30-6-1974. AN.

S. SUBRAMANIAN,
Deputy Chief Personnel Officer,
for General Manager

N.F. RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE (PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 24th July 1974

No. F/55/III/94PIII(O).—Shri A. P. Mallick is confirmed in Class II service as Assistant Engineer with effect from 11-11-71.

M. R. REDDY,
General Manager.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Bangalore, the 24th July 1974

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Panchasheela Pictures Private Limited.*

No. 1325/Dis/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Panchasheela Pictures Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Bangalore, the 24th July 1974

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Vilasini Trading and Chit Funds Private Limited*

No. 1828/Dis/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vilasini Tdg. and Chit Funds Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Bangalore, the 24th July 1974

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Binduraj Trading and Chit Funds Private Limited*

No. 1826/Dis/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Binduraj Tdg. and Chit Funds Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. K. DHAR,
Registrar of Companies, Karnataka,
Bangalore.

FORM ITNS—

(2) Smt. Bina Popatlal Kapadia, 219, Pheroazshah Mehta Road, Vile Parle, Bombay-400057.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION

Bombay-20, the 31st July 1974

No. AP.175/IAC AR.IV/74-75.—Whereas, I. G. S. Rao, the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV, Bombay, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2, H. No. 5, S. No. 5, S. No. 6 H. No. 1 (Pt.) & H. No. 3 and S. Nos. 11, 12, 13, 13, H. No. 7 and S. No. 14..... situated at Bombay-Marol, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 14-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Smt. G. M. Gonsolver, Aeroview, Sahar, Bombay-400057.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and admeasuring 20.23½ acres—S. Nos. 2, H. No. 5, S. No. 5, S. No. 6, H. No. 1(Pt), S. Nos. 11, 12, and S. No. 13 H. No. 7 and S. No. 14 situated at Marol, Andheri, Bombay.

G. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 31-7-1974

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 29th June 1974

No. ASR/BLT/AP-996/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the registered deed No. 4221 of November 1973, situated at Faizpur (Batala), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at S. R. Batala in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s Sun Light Foundry, through Shri Vaishno Dass Aggarwal, s/o Shri Des Raj Aggarwal R/o Batala & share holder of firm.

(Transferor)

- (2) Shri Inderjit s/o Shri Tara Chand s/o Shri Lal Chand R/o Batala, Smt. Bimla Rani w/o Shri Charan Dass Smt. Asha Rani w/o Shri Mangal Dass s/o Shri Lal Chand R/o Batala c/o New Normal Foundry, G.T. Road, Batala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objection(s).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3221 of November 1973 situated at Faizpur, (Batala).

D. S. GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-6-1974

Seal ;

FORM 1TNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the June 1974

No. ASR/MOGA/AP-1044/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. _____, No. Land as mentioned in the Registered Deed Registered By S.R. Moga in the month of November 1973, situated at V. Chotia Kalan Teh. Moga, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pritmohan Kaur w/o Shri Daya Singh R/o Dhillwan Kalan Teh & Distt.; Faridkot.
(Transferor)
- (2) Shri Jiwan Singh s/o S. Hakam Singh, s/o S. Harnam Singh Amritsaria R/o V. Chotian Kalan Teh. Moga.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed registered by the Sub-Registrar, Moga in the month of November 1973.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 29-6-1974

Seal :

FORM ITNS—

(1) Chandra Kanta & Bros. Ors. 'Uday Kunj', 39,
Turner Rd., Bandra, Bombay-50.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Netaji Co-operative Housing Society Ltd., 1/2,
Allenby Rd., Cal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I

Calcutta, the 26th July 1974

No. 141/ACQ.R-III/74-75/CAL.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41/1B, situated at Jhowtala Rd., Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Registrar of Assurances, Calcutta on 1-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land measuring 2 Bighas 1 cottah and 7 chattaks more or less at 41/1B, Jhowtala Rd., P. S. Karyya, Calcutta as per deed No. 16383 of 1973 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,

Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Rd., Cal.

Date : 26-7-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I NEW DELHI

New Delhi, the 26th July 1974

No. IAC/ACQI/74-75/1865.—Whereas I, D. B. Lal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No U-13A, situated at Green Park Extension, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on 6-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Narain S/o Shri Hakin Rai R/o K-5 Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Mukhmali W/o Shri P. S. Jain R/o 2218 Gali Hanuman Prasad Masjid Khazoor, Delhi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. U-13A measuring 2094 sq. yds. in the freehold Colony known as Green Park Extension, New Delhi situated on Mehrauli Road, New Delhi village Yusuf Sarai Jat and bounded as under :—

North : Plot No. U-13
South : Service Lane
East : Plot No. U-14,
West : Road.

D. B. LAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date : 26-7-1974

Seal :

FORM 11NS

(1) Shri Ram Narain S/o Shri Hakim Rai R/o K-5
Kotla Mubarakpur, New Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

(2) Adishwar Kumar Jain S/o Shri P. S. Jain R/o
2218 Gali Hanuman Prasad Masjid Khazoor, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,
CENTRAL REVENUES BUILDING, 3rd FLOOR,
NEW DELHI.

New Delhi, the 26th July 1974

No. IAC/ACQ.I/17717/74-75/1865.—Whereas I, D. B. Lal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. U-13, situated at Green Park Extension, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed, registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 30-3-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. U-13 measuring 290½ sq. yds. in the Freehold colony known as Green Park Extension, New Delhi situated on Mehrauli Road, New Delhi village Yusuf Sarai Jat and bounded as under :—

North : Road
South : Plot No. U/13A
East : Plot No. U/14
West : Road

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date : 26-7-1974
Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Bhupinderjit Kaur, w/o Shri Jagjit Singh Lamba, D-84, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
DELHI

New Delhi, the 26th July 1974

No. IAC/Acq. I/74-75/1865.—Whereas I, D. B. Lal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-20, situated at N.D.S.E. Part-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at Delhi on 23-4-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rattan Krishan Sukhani (50%) and Shri Rattan Krishan Sukhani (HUF) (50%) r/o Baoli Wali Street, Post Sirsa, Distt. Hissar (Haryana).
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold residential plot No. 20-M, N.D.S.E. Part-II, New Delhi measuring 500 sq. yds. and bounded as under:—

North : S. Road.
South : Road
East : Colony's Boundary
West : N. No. M-19/A

D. B. LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 26-7-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 3rd August 1974

No. IAC-ACQ-31/74-75.—Whereas, I, S. S. Roy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1191 (Old No. 2046) At Sailu, Taluka Pathri, District Parbhani, situated at Sailu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sailu on 1-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Virendrakumar son of Thakur Amarsingh Tamayer C/o Hotel Dilliwalla, Post Nizamabad, Andhra Pradesh.

(Transferor)

(2) Smt. Savanbai wife of Ramsawrup Gupta, Post Sailu, Dist. Parbhani (Maharashtra).

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Property bearing No. 1191 (Old No. 2046) situated at New Lakkarmandi, Sailu Taluka Pathri, Dist. Parbhani (Maharashtra).

S. S. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Nagpur

Date : 3rd August 1974.
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

Calcutta, the 10th July 1974

No. 157-Acq-R-III/74-75.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza Junbada, P. S. Bankura, Dist. Bankura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bankura on 23-11-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

8—206GI/74

(1) 1. Shri Murali Dhar Ghatak, 2. Smt. Kamla Ghatak w/o Late Bangsidhan Ghatak, 3. Shri Uma Sankar Ghatak, 4. Sri Kiron Sankar Ghatak, 5. Shri Annada Sankar Ghatak, 6. Shri Gouri Sankar Ghatak, 7. Shri Bhabani Sankar Ghatak, 8. Minor Sidhartha Sankar Ghatak and Minor Sunita Ghatak and 10. Minor Rama Ghatak by their guardian, mother executor Sm. Kamala Ghatak, 11. Shri Krishna Bhattacharyya, Smt. Sraswati Ghatak w/o, Shri Murali Dhar Ghatak Vill. Patpur, P.S. & Dist.-Bankura.

(Transferor)

(2) Shri Prahlad Chandra Ghosh and Shri Dhruva Lochan Ghosh, Vill. Bhadua, P.O. & Dist.-Bankura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the piece and parcel of land measuring about 15.86 acres at Mouza Junbada under P.S. & Dist. Bankura registered as per deed Nos. 11350 of 1973 and 11351 of 1973 before the Sub-Registrar Bankura.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Calcutta

Date : 10-7-1974

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION
RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 20th July 1974

No. 164/Acq-R-III/74-75/How —Whereas, I. L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 & 5 situated at Chasha Dhoba Para Lane, P. S. Shibpore, Dist.-How., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Registrar of Assurances Calcutta on 23-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sharti Devi Banasal and Smt. Savitri Devi Banasal, 50/B, Muktarām Babu St., Cal.
(Transferor)
- (2) Smt. Puspa Devi Banasal, 50/B, Muktarām Babu St., Cal.
- (3) M/s. Agarwal Iron Trading Co. of 19, Maharshi Debendra Rd., Cal.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/8th undivided share of land measuring six bighas three cottas and eight chattaks with one storied building standing thereon and a tank therein at 4 & 5 Chasha Dhoba Para Lane, P. S. Shibpore, Dist.-How. as per deed No. 6815 of 1974 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 20-7-1974

Seal :

FORM ITNS

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 1st August 1974

No. LC.18/74-75.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. 3588 & 3588/50, situated at Madathuvilakam Village, Vanchiyoor Firka, Kaudiar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 30-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Rajmohan Cashews (Pvt.) Ltd., P.B. No. 170, Fravipuram, Vadakkevila P.O., Quilon. (Transferor)
- (2) Shri J. Rajmohan, Represented by K. Janardhanan Pillai, 'Vasanth Vihar', Kochupilamoodu Quilon. (Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

27.5 cents of land with buildings in Survey Nos. 3588 & 3588/50 in Madathuvilakam Village, Vanchiyoor Firka, in Kaudiar, in Trivandrum.

K. RAJAGOPALAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 1-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1974

No. TR-1349/C-278/Cal-1/73-74.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, situated at Camac Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer The Registrar of Assurances, Calcutta on 16-11-1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Padmavati Rajee Cotton Mills Ltd.

(Transferor)

(2) Pilani Investment Corporation Ltd.

(Transferee)

Person in occupation of the property

1. The Gwalior Rayon Silk Mfg. (Wvg.) Co. Ltd.
2. Pilani Investment Corpn. Ltd.
3. Century Spg. & Mfg. Co. Ltd.
4. Jiyajeerao Cotton Mills Ltd
5. India Linoleums Ltd.
6. Birla Cotton Spg. & Wvg. Mills Ltd.
7. New Swedeshi Sugar Mills Ltd.
8. Bharat Sugar Mills Ltd.,
9. Govind Sugar Mills Ltd.,
10. New India Sugar Mills Ltd.
11. Oudh Sugar Mills Ltd.,
12. Upper Ganges Sugar Mills Ltd.
13. Hindustan Aluminium Corpn. Ltd.
14. Electric Construction & Equipment Co. Ltd.
15. Kesoram Industries & Cotton Mills Ltd.
16. Birla Jute Mfg. Co. Ltd.
17. Jayshree Tea & Industries Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is, hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 36.94% of the land containing an area of 1 Kt. 15 Ch. 41 sq. ft. being portion of block No. XIX holding No. 60 situate and being portion of premises No. 10, Camac Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, P-13, Chowringhee Square, Calcutta

Date : 1-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Mahendra Kumar (Minor) R/o House No. 103, Kantal Mohalla, Gopal Mandir Marg, Ujjain, M.P.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 1st August 1974

No. IAC/ACQ/SR/UJJAIN/30-11-73.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storied House No 103 (Old No. 3912) Gopal Mandir Marg, Ujjain situated at Ujjain, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ujjain on 24-11-1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Shantilal S/o Shri Dhannalal Jain, R/o Mohalla Dakhnipura, Givajiganj, Ujjain, M.P.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double Storied House No. 103 (Old No. 3912) Gopal Mandir Marg, Ujjain.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax Acquisition Range, Bhopal

Date : 1-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Kashiprasad S/o Chhotelal Sonkar, R/o Omti Ward, Marhatal, Jabalpur City, Jabalpur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

BHOPAL

Bhopal, the 1st August 1974

No IAC/ACQ/EVP/JBL/6/74 —Whereas, I, M F Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot and house No 795 to 795/5, Block No. 91, Plot No. 130/2 at Old Ward Omti, New Ward Marhatal, Jabalpur City situated at Jabalpur, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jabalpur on 8-11-73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Shri Tikamdas S/o Jhamatmal Sindhi R/o Rannandgaon Through Attorney—Shri Sawandas S/o Deoram R/o Jabalpur

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sale of plot and house Nos 795 to 795/5, Block No 91, Plot No 130/2 at Old Ward Omti, New Ward Madhatal, Jabalpur City, Jabalpur

F. M. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date 1-8-1974

Seal

FORM ITNS

(1) Vattada Appalaswamy, Kalinga Road, Srikakulam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nagireddy Lakshmulah, Teppala Street, Srikakulam

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th June 1974

Ref. No. J. No. I(1640)/73-74.—Whereas, I, Saroj Kumar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Asst. No. 3401-A27 situated at Kalinga Road Srikakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Srikakulam in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Srikakulam Dt.—Srikakulam Registration—Srikakulam Town—Old Srikakulam—North of Kalinga Road—Asst. No. 3401-A 27—Daba with tiled house.

SAROJ KUMAR.

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada(i/c)

Date : 17-6-74

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sri Alluri Bhaskara Rao, S/o Surayya Railway
Divisional Engineer, Rajamundry
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th June 1974

Ref. No. J. No. I(1668)/73-74.—Whereas, I Saroj Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dr. No. 47—4—2 situated at Gandhipuram No. 1 Rajamundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajamundry in November 73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanumilli Lakshmikanthamma W/o Rudrajah
2. Smt. Kanumilli Anuradha W/o Mohan Rao 95,
Santhi Nagar Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari Dt.—Rajamundry Sub Registration—Rajamundry Municipality—Gandhipuram Co-operative Colony—Block I—Door No. 47—4—2—Municipal Ward No. 24—Daba with Vasara (tiled) and site measuring 839 Sq. Yds

Boundaries

East : Road 110'-10"
South : Land belonging to Veeresalingam Pantulu, garu 68'
West : Wall and site of Gandhipuram co-operative society office building 85'-10"
North : Road 90'

SAROJ KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Kakinada (i/c).

Date : 17-6-74.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Bandi Bangaramma, Seethampeta, Rajah-
mundry (Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE
KAKINADA

Kakinada, the 17th June 1974

Ref. No. J. No. 1(1578)/73-74.—Whereas, I, Saroj Kumar, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 17-25-3 Seethampet situated at Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry in November 73 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Bandi Pydamma, W/o Yerraiiah, Sri Handi Edukondalu, Smt. Simha Veeraraghavamma Seethampet Rajahmundry (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari Dt.—Rajahmundry Sub Registration—Rajahmundry Municipality—Rajahmundry Town—Door No. 17—25—3, Seethampeta, Rajahmundry—480 sq. yards.—9th Ward. Terraced and thatched house and site.

Boundaries

East : Site and compound wall of Pilli Perayya

South : Site of Dr. A. B. Nageswara Rao

West : House site of Garimolla Krishna Murty

North : Raja Veedi.

SAROJ KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner

of Income-Tax, Acquisition Range, Kakinada (I/C).

Date : 17-6-74.

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th June 1974

Ref. No. I(1392)/73-74.—Whereas, I Saroj Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 10/24A situated at Municipal Colony, Korukonda Road, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) The A. P. P. Mills Ltd., Rajahmundry Represented by R. K. Maheswari, Asst. Secretary.
(Transferor)
- (2) Shri N. Jayaraj, Mangalavarapu Peta, Rajahmundry.
(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for bearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari Dt.,—Registration Sub District of Rajahmundry—Rajahmundry Town—Building bearing No. 10/24A with vacant land appurtenant to the building Extent Ac.O-48 cents or 0.198 Hcs. dry land out of total extent of Ac. 35-86 cents or 14.512 Hcs in R. S. No. 38 with the following boundaries.

Boundaries

South : Municipal Colony Road etc.
West : Land of Smt. Pachimatta Chandravattamma Michah
North : Land belonging to A. P. Paper Mills Ltd.
East : Land belonging to A. P. Paper Mills Ltd.

SAROJ KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax.

Acquisition Range, Kakinada (I/C)

Date : 17-6-1974.

Seal :

FORM ITNS

tasuryasivaramasastry,
5 Shri Hota Sitamma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

(2) Shri Sunkavalli Ramarao, S/o Sriramulu, Mg Pr
M/s. Balre Industries, Innispeta, Rajahmundry

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 17th June 1974

Ref No J No I(1669)/73-74 —Whereas, I Saroj Kumar
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No 11/1 situated at Alcotgardens Rajahmundry

(and more fully
described in the Schedule annexed hereto) has been trans-
ferred as per deed registered under the Indian Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Rajahmundry in November, 1973
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-
sideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the transferor(s) and the trans-
feree(s) has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect
of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of Section 269D of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons
namely:—

- (1) 1. Shri Hota Venkata Surya Sivaramasastry,
2. Shri Venkata Suryapardhasarathisastry,
3. Shri Sitaramasastry,
4. Shri Venkatasuryagangara, S/o Shri Hota Venka-

(a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every
person who has made such objection and the transferee
of the property

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Last Godavari District—Rajahmundry Sub Registration—
Rajanagaram Panchayat Samithi—Prakasam Nagar Panchayat—
Rajanagaram Panchayat Samithi—Prakasam Nagar Panchayat—
Mctres).

SAROJ KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax (I/C)

Acquisition Range, Kakinada

Date 17-6-1974

Seal

FORM ITNS—

(2) Shri Saka Madusudana Das, S/o Shri Ramakrishna Das, Pedda Bazar St Berhampur, Ganjam District, (Orissa).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th June 1974

Ref No J No I(1642)/73-74—Whereas, J. Saroj Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Door No. 6-1-33 situated at Palakonda Road, Srikakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikakulam in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

- (1) Smt Bella Laxmi Amma, w/o Rama Chandra Rao, Trunk Road, Srikakulam.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Srikakulam District—Srikakulam Municipality—Srikakulam town—Municipal Asst. No. 1296A—Door No. 6-1-33—Building

Boundaries

East Compound wall of Killana Ramanna.
South Road leading to Ramakrishna Theatre.
West Road to Palakonda
North Site of Manda Sivaprasada Rao etc.

SAROJ KUMAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range Kakinada (I/C)

Date 17-6-1974.

Seal.

FORM ITNS—

(2) M/s. Sri Durga Industries, Amadalavalam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th June 1974

Ref. No. J. No. 1(164f)/73-74.—Whereas I, Saroj Kumar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T.D. No. 239 situated at Burgam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikakulam in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Jai Devi Behani, 18-1 B Hindustan Road, Calcutta-2.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Srikakulam District—Srikakulam Registration—Patpatnam Taluk—Burgam village—T.D. No. 239—Godowns, structure, Sheds etc.,—Labour quarters—Electrical fittings etc.

SAROJ KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, (I/C)

Acquisition Range, Kakinada.

Date . 17-6-1974.

Seal :

FORM ITNS—

(2) M/s. Riply & Co., Ltd., Ganapavaram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 17th June 1974

Ref. No. J. No. I(3143)/73-74.—Whereas, I, Saroj Kumar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 123/C1, 124 and 124 situated at Chilakaluripeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Chilakaluripeta in November, 1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Guntur District—Chilakaluripeta Sub-Registration—Ganapavaram Village—D. Nos. 123/C1—Ac 4-99; D. No. 124 Ac. 1-98 and D. No. 124 Ac. 2-03 Total 9-00.

SAROJ KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, (I/C)
Acquisition Range, Kakinada.

- (1) M/s. Shri Laxshmi Cotton Traders Private Limited,
Prop. Laxshmi Industries, Ganapavaram.
(Transferor)

Date : 17-6-1974.

Seal

FORM ITNS — — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No ASR/JUL/AP-928/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 6978 of November, 1973 situated at V. Dhanowali Teh. Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in Oct. 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chanan Singh s/o Shri Dalip Singh R/o V. Dhanowali Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) M/s. B. D. Aggarwal & Sons (P.) Ltd., G.T. Road, Jullundur through Shri Damodor Dass, partner.
(Transferee)

- (3) As at S No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6978 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th May, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No ASR/BTL/AP-925/74-75 —Whereas, I, D. S. Gupta

being the Competent

Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3933 of November, 1973.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Batala in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri Iqbal Chand s/o Shri Khushal Chand, Bauli Inderjit Singh, Batala.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Piari w/o Shri Guru Datt Khullar, Smt. Sushma Khullar w/o Shri Virendra & Shri Sudershan Dogra C/o M/s G. D. Traders, G. T. Road, Batala.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3933 of November, 1973 of the Registering Authority, Batala

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date 28th May, 1974

Seal :

FORM ITNS ———

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No ASR/PUL/AP-929/74-75.—Whereas I, D. S.
Gupta

being the competent

authority under Section 269B of the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceed-
ing Rs. 25,000/- and bearingNo Land as mentioned in the Registered Deed No. 7141 of
November, 1973 situated at Jullundur(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at

Jullundur in Nov. 1973,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the afore-
said property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now therefore in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely:—

- (1) A. P. Jay Steel (P.) Ltd Jullundur.
(Transferee)
- (2) Shri B. Hans Raj s/o Shri Guranditta of V. Reru.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later.

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of the notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every
person who has made such objection, and the transferee
of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceeding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7141 of
November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th May, 1974.

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-930/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 7142 of November, 1973 situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Nov. 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) A. P. Jay Steel (P.) Ltd., Jullundur.

(Transferor)

- (2) Smt. Suhagwanti w/o Shri Hans Raj, V. Reru.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7142 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th May, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE I.A.C. OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. ASR/Patti/AP-931/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2151 of November, 1973 situated at V. Merhindhoke Teh. Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patti in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bawa Singh, Jaspal Singh SS/o Shri Banta Singh R/o Purani Jail, Road, Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Mukhtiar Singh, Bageecha Singh, Majur Singh SS/o Shri Darbara Singh R/o Draike Teh. Patti. (Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2151 of November, 1973 of the Registering Authority, Patti.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Income Tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th May, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. ASR/Bht./AP-932/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 4769 of November, 1973 situated at V Gill Patti (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in Nov. 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banta Singh s/o Shri Nand Singh s/o Shri Sobha Singh V. Gill Patti Teh. Bhatinda.
(Transferor)
- (2) S/Shri Gurdev Singh, Sukhdev Singh SS/o Shri Bakshish Singh V. Gill Patti District Bhatinda.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4769 of November, 1973 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th May, 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. ASR/AP-933/74-75.—Whereas I, D. S. GUPTA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2913 of November, 1973 situated at Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Hari Kishan Mehta s/o Shri Laboo Ram, Vijay Mehta and Mrs. Shub Lata R/o Lawrence Road, Amritsar. (Transferor)

- (2) M/s Polikmt Industries, Batala Road through Shri Sudershan Kumar Chopra, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 2913 of November, 1973 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range
Amritsar.

Date : 28th May 1974.
Local :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref No. ASR/Baba Bakala/AP-934/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 1518 of November, 1973 situated at V. Rajpur Teh. Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baba Bakala in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ajit Singh s/o Shri Surain Singh caste Jat R/o V. Rajpura Teh Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Jarnail Singh s/o Shri Udham Singh R/o V. Jhalari Teh. Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S No 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1518 of November, 1973 of the Registering Authority, Baba Bakala.

D. S. GUPTA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,

Amritsar

Date : 28th May 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-942/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7446 of November, 1973 situated at Ring Road, Jullundur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in November 1973, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sham Kumar Bhardwai s/o Pt. Sat Pal Bhardwai Property Dealers, Jullundur G.A. S. Harbajan Singh, Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Jaspal Singh Kular s/o Major Ajit Singh Kular 517, New Jawahar Nagar Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property, [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7446 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 28th May 1974.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref No ASR/JUL/AP-943/74 75 —Whereas I, D S Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plat of land as mentioned in the Registered Deed No 7501 of November, 1973 situated at Garha Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- (1) Shri Bir Singh Johal S/o Raj Mal V Jandiala Teh Phillaur District Jullundur (Transferor)
- (2) Shri Hardial Singh Gurdev Singh, Ss/o Shri Atma Singh of Kukar Pind, Teh Jullundur (Transferee)

(3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No 7501 of November 1973 of the Registering Authority, Jullundur

D S GUPTA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax Acquisition Range,
Amritsar

Date 28th May 1974,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No ASR/JUL/AP-944/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7518 of November, 1973 situated at Garha Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in November 1973,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property interms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

11—206 GI/74

- (1) Shri Bir Singh Johal s/o Raj Mal V. Jandiala Teh. Phillaur District Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Baljit Singh s/o Shri Atma Singh of Kukar Pind Teh. Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 7518 of November 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 28th May 1974.

Seal;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref No. ASR/JUL/AP-945/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property as mentioned in the Registered Deed No. 7391 of November, 1973 situated at Bye Pass, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) M/s A. P. Jay Steel (P) Ltd., Tanda Road through Shri Nand Lal Sabharwal s/o Shri Lachhman Dass R/o 81, Vijay Nagar, Jullundur.
- (2) 1. Shri Karam Singh s/o Shri Dalip Singh R/o Bye Pass Tanda Road, Jullundur. 2. Col. Joginder Singh s/o Major Puran Singh of Fateh Lal 3. Shri Tarsem Lal, Krishan Kumar SS/o Shri Mangat Rai c/o Gupta & Co., Property Dealer, Jullundur (Br. Bansan) 4. Surinder Singh Parminder Singh SS/o Shri Bakshish Singh s/o Bishan Singh R/o Adda Bastian Jullundur. 5. Lachhman Singh s/o Banta Singh 6. Bakshish Singh, Dilbah Singh SS/o Shri Charan Singh V. Kahn of Hoshiarpur (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 7391 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 28th May 1974.

Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
AMRITSAR

Amritsar, the 28th May 1974

Ref. No. ASR/TUL/AP-946/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 7345 of November, 1973, situated at Abadpura, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been (or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ranbir Singh s/o Bachan Singh, Gursharan Kaur w/o S. Bachan Singh, Kuljinder Singh s/o S. Bachan Singh Avtar Kaur D/o S. Bachan Singh R/o Suranwala Teh. Kapurthala & Parkash Singh s/o S. Banta Singh R/o E.M./106, Rasta Mohalla, Jullundur (G. Attorney).

(Transferor)

- (2) Shri Madan Ram s/o Shri Amroo Ram s/o Haria, Smt. Parkasho w/o Shri Madan Ram R/o Bhardwaj Tehsil Phillaur through Shri Tarsem Lal s/o Shri Jagat Ram, Buta Mandi, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.
(Person(s) in the occupation of the Property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 7345 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th May 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 20th May 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-947/74-75.—Whereas, 1, D. S. GUPTA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 6826 of November, 1973 situated at Ladowali Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in November 1973 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harbachan Singh s/o S. Arjan Singh Shop No. 3 B Model Town, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Chatar Bhuj s/o Shri Jagan Nath Mittal, Krishan Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6826 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 28th May 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar the 28th May 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-948/74-75.—Whereas, I, D. S. GUPTA,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 7105 of November, 1973 situated at Ladowali Road, Jullundur in November 1973,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Surat on 11-9-1973

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

(1) Shri Pritam Singh s/o S. Dewa Singh S.P. Jullundur
R/o 579 Model Town, Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri S. Chatar Bhuj s/o Jagan Nath Mital, Krishan
Nagar, Jullundur.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person(s) in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 7105 of November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th May 1974
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mohinder Pal s/o Lt Col A S Bakshi, 99
New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR(2) Shri Chatar Bhuj s/o Jagan Nath Mittal, Krishan
Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S No. 2 above
(Person(s) in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be in-
terested in the property)

Amritsar, the 28th May 1974

Ret No ASR/JUL/AP-949/74 75—Whereas, I, D. S.
GUPTA,being the competent Authority under
section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and
bearingNo Land as mentioned in the Registered Deed No 6827 of
November, 1973 situated at Tadowali Road, Jullundur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Jullundur in November 1973
for an apparent considerationwhich is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the trans-
feror(s) and the transferee(s) has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in
respect of any income arising from the trans-
fer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the
Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income tax Act, 1961
(43 of 1961) to the following persons namely:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official GazetteIt is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable property will
be fixed and notice thereof shall be given to every person who
has made such objection and the transferee of the property.It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the objections.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of
the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No 6827 of
November, 1973 of the Registering Authority, Jullundur.D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, AmritsarDate 28th May 1974
Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

ADVT. No. 34

APPLICATIONS ARE INVITED FOR THE FOLLOWING POSTS

*Qualifications relaxable at Commission's discretion.

*Higher initial pay may be given according to qualifications.

*Age on 1-1-74 (age concessions for displaced persons, SC, ST & Govt. servants unless stated otherwise).

For details and application forms, write Secretary, UPSC, New Delhi-110011, with unstamped, self-addressed envelope (23 x 10 cm) giving item number, name of post and Advt. No.

*Reservation of posts : For SC—S. Nos. 11, 17, 20 and 21. For ST—S. No. 5.

*Nature of posts—*Permanent* : S. Nos. 1, 3 and 19 but appointment on temp. basis. *Temporary* : S. Nos. 2, 4, 6 to 14, 16 to 18, 20 & 21 likely to continue indefinitely. S. Nos. 5 & 15 likely to continue.

*Application Fee in Indian Postal Order for Rs. 8 (Rs. 2 for SC & ST); candidates abroad pay fee to Indian Embassy.

*Closing date for receipt of applications in Commission's office : 23rd Sept. 74 (7th Oct. for candidates abroad, Andaman, Nicobar & Lakshadweep).

ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes; ST—Scheduled Tribes; EQ—Essential Qualifications.

1. *One Dir., Computer Centre, Planning Min.* Pay : Rs. 1800-100-2000 (Pie-revised). Age : 50 years. E.Q. : Master's Degree in Stat. or Math./Operational Res./Econ./Commerce (with Stat./Trg. in Stat) & abt. 12 years exp. of stat. work/investigation/res. in a Govt. Deptt. or Commercial concern of repute incl. abt. 2 yrs. admin. exp. in a supervisory capacity

2. *One Asstt. Tech. Engr. Officer (Radiology) AFMS Depot, Def. Min.* Pay : Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Revised). Age : 25 yrs. E.Q. : Deg. in Elect. Engg. with either: Elecon as one of the subjects or Practical exp. in Elecon equipment.

3. *One Inspector (Dock Safety), DGFASLI, Bombay, Labour Min.* Pay : Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (Revised). Age : 35 yrs. E.Q. : Deg. in Mech. and/or Elect. Engg. & 2 yrs. exp. in an Engg. Workshop.

4. *One Sr. Scientific Officer Gr. I, Naval SC & Tech. Lab., Visakhapatnam, R. & D. Orgn., Def. Min.* Pay : Rs. 700-50-1250 (likely to be revised). Age : Pref. below 40 yrs. E.Q. : At least II Cl. Deg. in Elect. Engg. and 4 yrs. Res. & Dev. exp. in the design & dev. of elect. machines.

5. *One Scientific Officer, D'te Genl. of Civil Aviation.* Pay : Rs. 400-40-800-50-950 Revised Rs. 700-40-900-EB-1100-50-1300. Age : 40 yrs. E.Q. : Deg. in Mech./Aero. Engg. OR I Cl. Bachelor's Deg. with Phy. or Math. and practical exp. in the design deptt. of a aircraft factory or Aero. res. & dev. orgn.

6. *One Sr. Scientific Officer Gr. II, Naval SC & Tech. Lab., Visakhapatnam, R. & D. Orgn., Def. Min.* Pay : Rs. 400-40-800-50-950 (Likely to be revised). Age : Pref. below 30 yrs. E.Q. : At least II Cl. Deg. in Mech. Engg. and 2 yrs. exp. in Structure Design/Machine Design/Pneumatic systems & Devices.

7. *Two Sr. Scientific Officers Gr. II, Naval SC & Tech. Lab., Visakhapatnam, R. & D. Orgn., Def. Min.* Pay : Rs. 400-40-800-50-950 (Likely to be revised). Age : Pref. below 30 yrs. E.Q. : At least II Cl. Deg. in Elect. Engg. and 2 yrs. exp. in design/manufacture/evaluation of elect. machines or in design and dev. work in control engg.

8. *One Sr. Scientific Officer Gr. II, Naval SC & Tech. Lab., Visakhapatnam, R. & D. Orgn., Def. Min.* Pay : Rs. 400-40-800-50-950 (Likely to be revised). Age : Pref. below 30 yrs. E.Q. : At least II Cl. Deg. in Elecon./Telecom. Engg. & 2 yrs. res. exp. in the design of solid state circuits & devices.

9. *One Sr. Scientific Officer, Gr. II (Elect. Engg.) (Lecturer), Naval Hq., Def. Min.* Pay : Rs. 400-40-800-50-950 (Likely to be revised). Age : Pref. below 30 yrs. E.Q. : At least II Cl. Deg. in Elect. Engg. & 2 yrs. exp. in teaching Elect. Engg. subjects.

10. *One Jr. Scientific Officer, Def. R. & D. Lab., Hyderabad, R. & D. Orgn., Def. Min.* Pay : Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Revised). Age : Pref. below 30 yrs. E.Q. : At least II Cl. Deg. in Mech. Engg.

11. *One Sr. Tech. Asstt., Agri. Min.* Pay : Rs. 550-25-750-EB-30-900. Age : 35 yrs. E.Q. : Deg. in Agricultural/Mech. Engg. & 8 yrs. exp. in designing, manufacture, standardisation & popularisation of improved Agricultural implements.

12. *One Sr. Scientific Officer (Chem.) Home Min.* Pay : 400-40-800-50-950 Revised Rs. 800-40-900-EB-40-1100-50-1300. Age : 35 yrs. E.Q. : M.Sc. Deg. in Chem. & 5 yrs. exp. in analytical methods.

13. *One Sr. Scientific Officer Gr. II, R & D Orgn., Def. Min.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Pref. below 30 yrs. E.Q.—At least II Cl Master's Deg in Phy/Bio-phy & abt 2 yrs res exp in diagnostic use of Radioisotopes.

14. *Two Sr Scientific Officers Gr II, R & D Orgn, Def Min.* Pay.—Rs. 400—40—800—50—950. Age.—Pref below 30 yrs. E.Q.—For 1st Post.—At least II Cl Master's Deg in Physiology/Zoology & abt 2 yrs res exp in Human Work Physiology or Neuro/Physiology. For 2nd Post : At least II Cl Master's Deg in Physiology & abt 2 yrs exp in Neuro-Physiology.

15. *One Splst Surg (Cardio-Vascular), Rail Min.* Pay.—Rs. 1300—60—1600 (Authorised) plus restricted NPA @ 35% of pay subject to maximum of Rs. 500/- p.m. Age.—50 yrs. E.Q.—(i) A recognised medical qualification included in the I or the II Schedule or Part II of the III Schedule (other than licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956. Holders of educational qualifications included in Part II of the III Schedule should also fulfil the conditions stipulated in Section 13(3) of the Indian Medical Council Act, 1956. (ii) Post-grad qualification in General Surgery such as F.R.C.S. (iii) 7 yrs standing in a responsible position in connection with the Cardio-Vascular Surgery. (iv) Practical exp in organising & running a Specialised unit in Cardio-Vascular Surgery.

16. *Two Eye Splsts, CHS, Health Min.* Pay.—Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus NPA @ 50% of pay subject to a maximum of Rs. 600/- p.m. (Likely to be revised). Age.—45 yrs. E.Q.—(i) Same as (i) in item 15 above. (ii) Post-grad qualification in Ophthalmology e.g. M.S., F.R.C.S. (with Ophthalmology). D.O., D.O.M.S. (iii) At least 3 yrs work in a responsible position connected with the speciality for post-grad deg holders & at least 5 yrs work in a responsible position connected with the speciality for post-grad dip holders.

17. *One Psychiatrist, CHS, Central Hospital, Asansol, Health Min.* Pay.—Rs. 600—40—1000—EB—50—1300 plus NPA @ 50% of pay subject to maximum of Rs. 600/- p.m. (Likely to be revised). Age.—50 yrs. E.Q.—(i) Same as (i) in item 15 above. (ii) Post-grad qualification in Psychiatry e.g. M.D. with Psychiatry, M.R.C.P. with Psychiatry, D.P.M. (iii) At least 3 yrs work in a responsible position connected with Psychiatry.

18. *Two Sr Scientific Officers Gr I, Def Instt of Physiology & Allied Sciences, Delhi Cantt, R & D Orgn, Def Min.* Pay.—Rs. 700—50—1250 plus NPA @ 25% of pay as per existing rules (Likely to be revised). Age.—Pref below 40 yrs. E.Q.—For both posts : (i) Same as (i) in item 15 above. (ii) For one post : 4 yrs exp in res/teaching in Cardio-respiratory Physiology/Medicine. For 2nd post : 5 yrs exp in teaching/res in Clinical Pathology.

19. *One Res Asstt, Election Commn.* Pay.—Rs. 550—25—750—EB—30—900. Age.—30 yrs. E.Q.—II Cl Master's Deg in Pol Sc, History, Econ, Stat or Sociology OR I Cl Bachelor's Deg in Stat, Econ or Sociology.

20. *On. Supdt. After Care Home for Boys, Delhi Admn.*
Pay.—Rs. 500—25—750—EB—30—900 (Revised). Age.—
 40 yrs. *E.Q.—*Deg in a Social Sc subject, e.g. Sociology, Econ,
 Anthro etc & abt 3 yrs exp in Social work in a responsible
 capacity pref in a Soc Welfare Instn recog by Govt.

21. *On. Supdt. National Sample Survey Orgn, Planning*
Min. Pay.—Rs. 325—15—475—FB—20—575 (To be revis-
*ed). Age.—35 yrs. E.Q.—*Master's deg in Stat or Math/
 Econ/Com (with State) *OR* Deg with Math/Stat/Econ as
 subject plus a recog Dip obtained after at least 2 yrs post-
 grad trg in Stat and abt 3 yrs exp of stat work involving
 collection, compilation & Interpretation of stat data.

CORRIGENDUM

One Asst Dir (Tech) (G) II), Office of Jute Commis-
ioner, Calcutta, Commerce Min. (UPSC ADVT No. 26 item 8
published on 29-6-74). Age relaxable for Govt. servants.
 Closing date extended to 23-9-74 (7-10-74 for candidates
 abroad).

A. C. BANDYOPADHYAY
 Secretary
 Union Public Service Commission